संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 187
पृष्ठ 8
शनिवार
28 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिर्फ फोन देखने से ही आंखें...

विचार- पश्चिम एशिया युद्ध में परमाणु खतरे...

खेल- अनन्या-ईशा से काव्या-सुहाना तक...

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी बोली-

भारत में लॉकडाउन की आशंकाएं महज अफवाह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को साफ किया कि देशव्यापी लॉकडाउन की अफवाहें पूरी तरह से झूठी हैं। सरकार के सामने फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति नियंत्रण में है। देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कमी नहीं है। वहीं, खुदरा दुकानों के पास पर्याप्त स्टॉक है। वे बिना किसी रुकावट के ईंधन वितरित कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुरी ने कहा, "वैश्विक स्थिति में लगातार बदलाव हो रहे हैं और हम ऊर्जा, आपूर्ति श्रृंखलाओं और आवश्यक वस्तुओं से संबंधित घटनाक्रमों पर वास्तविक समय के आधार पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, हमारे नागरिकों के लिए ईंधन, ऊर्जा और अन्य महत्वपूर्ण आपूर्तियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हम उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।"

आगे उन्होंने कहा, "भारत में लॉकडाउन की अफवाहें पूरी तरह से झूठी हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि भारत सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में यह महत्वपूर्ण है कि हम शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें। ऐसी स्थिति में अफवाहें फैलाना और दहशत पैदा करना गैरजिम्मेदाराना और हानिकारक है।" पुरी की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कमी ने भारत में संभावित लॉकडाउन की अटकलों को जन्म दिया है, साथ ही द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति की स्थिति को लेकर भी चिंताएं उभर रही हैं, जिसे चिंताजनक बताया गया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, भारतीय सरकार ने देशव्यापी लॉकडाउन की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सार्वजनिक आवागमन या आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की कोई योजना नहीं है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयानों को व्यापक रूप से गलत समझा गया था। यह भ्रम प्रधानमंत्री की ओर से हाल ही में संसद में दिए गए भाषणों में तैयारी के संदर्भों के बाद शुरू हुआ, जो पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और उनके संभावित आर्थिक प्रभावों के संदर्भ में दिए गए थे। अफवाहों में अचानक आई तेजी 2020 के कोविड–19 लॉकडाउन की छठी वर्षगांठ के साथ मेल खाती है, जिससे ऑनलाइन चिंताएं और बढ़ गईं। हालांकि, सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि कोविड जैसी तैयारी का आह्वान केवल प्रशासनिक तत्परता और आकस्मिक योजना तक सीमित है, न कि घर में रहने के आदेश या आवागमन प्रतिबंधों का संकेत है। इस मामले पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहती हूं कि कोई लॉकडाउन नहीं होगा। मुझे आश्चर्य है कि कुछ नेता कह रहे हैं कि लॉकडाउन होगा और ईंधन की कमी होगी। ये निराधार हैं। राजनीतिक हलकों में बैठे लोगों की ओर से ऐसी टिप्पणियां चिंताजनक हैं। कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन हुआ था, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री को पीएम मोदी ने भेजा बधाई संदेश

संबंधों को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन को शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए भारत–नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं। रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह ने शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने लगभग लगभग छह महीने बाद हुआ है। ओली सरकार को एक युवा पीढ़ी के विरोध प्रदर्शन में हटा दिया गया था। मोदी ने एक्स

पर एक संदेश में कहा, नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर श्री बालेंद्र शाह को हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में जताए गए भरोसे को दर्शाती है। मैं हमारे दोनों देशों की जनता के आपसी फायदे के लिए भारत–नेपाल की दोस्ती और सहयोग को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं। 35 वर्षीय राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। वह देश में यह पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। बालन मधेश क्षेत्र से शीर्ष कार्यकारी पद संभालने वाले पहले व्यक्ति भी हैं। उनका शपथ ग्रहण नेपाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता हुई कमजोर-जयराम रमेश

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में तेल और गैस की उपलब्धता को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि बीते एक दशक में भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि 2014–15 से

2024–25 के बीच कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता 84: से बढ़कर 90: हो गई है, जबकि एलपीजी आयात 46प्रतिशत से बढ़कर 62प्रतिशत तक पहुंच गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस गैस का वादा किया गया था, वह अब तक सिर्फ वादा ही बनी हुई है। रमेश ने प्राकृतिक गैस के मुद्दे पर भी सवाल उठाते हुए 2005 में गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन द्वारा कृष्णा–गोदावरी बेसिन में बड़े गैस भंडार की खोज के दावे का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में 2011 से 2016 के बीच नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्टों में इसे 20,000 करोड़ रुपये का घोटाला बताया गया, जिसे बाद में ओएनजीसी में विलय कर छिपाया गया। इधर, पेट्रोल पंपों और एलपीजी एजेंसियों पर लंबी कतारों की खबरों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट करते हुए किसी भी तरह की कमी से इनकार किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि देश में करीब 60 दिनों का कच्चे तेल का भंडार उपलब्ध है और एक महीने की एलपीजी सप्लाई सुनिश्चित की गई है। मंत्रालय ने इन खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि देशभर के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त स्टॉक है और कहीं भी पेट्रोल–डीजल की राशनिंग नहीं हो रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने भी सप्लाई सामान्य रहने का दावा किया है। वहीं, विपक्ष ने संसद परिसर में एलपीजी आपूर्ति को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें पश्चिम एशिया के हालात के बीच तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

आयात में विविधता और क्षमता विस्तार से ला रहे उर्वरकों की आपूर्ति में स्थिरता बोली केंद्र सरकार

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच भारत सरकार कहा है कि देश के किसानों को उर्वरकों की कमी नहीं होगी। उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को इस मामले

पर आधिकारिक बयान दिया। इसमें कहा गया कि घरेलू उत्पादन के लिए उर्वरकों की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने और भू–राजनीतिक जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से संसाधन–समृद्ध देशों के साथ दीर्घकालिक समझौते किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने लोकसभा में बताया कि घरेलू प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने के लिए सरकार पोषक तत्व–आधारित सब्सिडी योजना के तहत क्षमता विस्तार को प्रोत्साहित कर रही है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के बयान में सरकार ने आयात पर निर्भरता और मिट्टी के पोषक तत्वों के असंतुलन से निपटते हुए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वर्तमान में, उर्वरक कंपनियां 59.65 लाख मीट्रिक टन की संयुक्त वार्षिक क्षमता वाले नए डीएपीएनपीके संयंत्रों के साथ–साथ 44.21 लाख मीट्रिक टन की क्षमता वाले फॉस्फोरिक और सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र स्थापित कर रही हैं।

पश्चिम एशिया संकट गहराने के बाद सरकार का बयान

देश में पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। हम युद्ध जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी काफी बढ़ गई हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान यह बात कही। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि भारत सरकार ने इस स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शर्मा ने कहा, ष्पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारत की कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति को प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के साथ–साथ अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें भी बढ़ी हैं। हालांकि, भारत सरकार ने स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के

लिए विभिन्न स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और अगले दो महीनों के लिए आपूर्ति की व्यवस्था है। एलपीजी और पीएनजी के मामले में भी स्थिति अनुकूल है। सरकार की ओर से बताया गया है कि हमारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से या उससे भी अधिक क्षमता से चल रही हैं और घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 40प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार चूंकि भारत आयात पर अत्यधिक निर्भर है और एलपीजी आयात का लगभग 90: होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है– इसलिए सरकार ने वाणिज्यिक आपूर्ति के बजाय घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। शुरुआत में वाणिज्यिक आपूर्ति रोक दी गई, फिर धीरे–धीरे बहाल की गई। पहले 20:, फिर पीएनजी विस्तार के लिए व्यापार में सुगमता के आधार पर अतिरिक्त 10:, बाद में बढ़ाकर 50: और अब 70: कर दी गई है। परिणामस्वरूप, लगभग 14 मार्च से अब तक 30,000 टन व्यावसायिक एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। पेट्रोलियम मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि सरकार ने रेस्तरां, सड़क किनारे के ढाबों, होटलों, औद्योगिक कैंटीनों और प्रवासी श्रमिकों को प्राथमिकता दी। आदेशों में इस्पात, ऑटोमोबाइल, वस्त्र, रंग, रसायन और प्लास्टिक को भी प्राथमिकता देने का उल्लेख किया गया था। प्रवासी श्रमिकों को लगभग 30,000 छोटे पांच किलो के सिलेंडर वितरित किए गए... इसका उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि भारत में पर्याप्त कच्चा तेल, पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है। एलपीजी, एलएनजी और पीएनजी की आपूर्ति सुरक्षित है। कुछ स्थानों पर फैली अफवाहों के बावजूद, जिनके कारण पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं, कोई कमी नहीं है। भले ही भारतीय कच्चे तेल की टोकरी की कीमत लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर से अधिक हो गई, सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी उत्पाद की कमी न हो। कई पड़ोसी देशों के विपरीत, जहां ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं, भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं की गई है।

सीजेआई ने सभी हाई कोर्ट को लिखा पत्र

न्यायिक रिक्तियों पर देरी बर्दाश्त नही

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की न्याय व्यवस्था में तेजी लाने की दिशा में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। CJI ने देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को पत्र लिखा है। उन्होंने निर्देश दिया है कि जजों के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया में अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस पत्र की सबसे खास बात महिला जजों की नियुक्ति को लेकर CJI का सख्त रुख है। CJI सूर्यकांत ने अपने पत्र में जिक्र किया है कि उच्च न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अब भी काफी कम है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट कॉलेजियम को महिला जजों की नियुक्ति को अपवाद के तौर पर नहीं, बल्कि सामान्य नियम के रूप में देखना

चाहिए। मेधावी महिला वकीलों को बेंच का हिस्सा बनाना केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता लाने के लिए अनिवार्य है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने बताया कि जिला अदालतों में महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या लगभग 36.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि जब निचली अदालतें इतना मजबूत है, तो इसका असर उच्च न्यायपालिका में भी दिखना चाहिए। उन्होंने हाईकोर्ट कॉलेजियम से आग्रह किया कि वे अपना दायरा बढ़ाएं। सीजेआई सूर्यकांत ने सुझाव दिया कि हाईकोर्ट उन महिला वकीलों के नामों पर भी विचार करें जो उनके राज्यों से ताल्लुक रखती हैं लेकिन वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रही हैं। अक्सर देखा गया है कि जज के रिटायर होने के महीनों बाद तक पद खाली रहता है। इस पर भी सीजेआई ने सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि वैकेंसी होने का इंतजार न करेंय पद खाली होने से पहले ही नामों की सिफारिश भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी जानी चाहिए। वर्तमान में स्थिति यह है कि देश के उच्च न्यायालयों में स्वीकृत 1122 पदों के मुकाबले केवल 814 जज कार्यरत हैं।

सरकार ने किए 858 करोड़ के दो बड़े रक्षा सौदे,रूस से खरीदी जाएगी तुंगुस्का मिसाइल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने अपनी सैन्य शक्ति और समुद्री निगरानी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन दोनों समझौतों की कुल कीमत 858 करोड़ रुपये है। ये सौदे थल सेना और नौसेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए गए हैं। इन समझौतों के जरिए भारत न केवल आधुनिक तकनीक हासिल करेगा बल्कि पुरानी प्रणालियों के रख–रखाव को भी बेहतर बनाएगा। रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि रूस की सरकारी एजेंसी रोसोबोरोन एक्सपोर्ट के साथ 445 करोड़ रुपये का करार हुआ है। इसके तहत भारतीय सेना के लिए तुंगुस्का एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम खरीदा जाएगा। यह आधुनिक सिस्टम दुश्मन के विमानों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने में सक्षम है। इस समझौते से भारत–रूस के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को भी बल मिलेगा। मंत्रालय ने दूसरा समझौता बोइंग इंडिया डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया है। यह सौदा 413 करोड़ रुपये का है। इस करार का मुख्य मकसद भारतीय नौसेना के पी8आई (च8ए) लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमानों का मेंटेनेंस यानी रखरखाव करना है। यह समझौता बाई इंडियन श्रेणी के तहत किया गया है। इसके तहत विमानों की मरम्मत का काम स्वदेशी तकनीक और सुविधाओं के जरिए भारत में ही पूरा किया जाएगा। बोइंग पी8आई विमान भारतीय नौसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक मल्टी रोल विमान है जिसका इस्तेमाल पनडुब्बी रोधी युद्ध और समुद्री निगरानी के लिए किया जाता है।

डब्ल्यूटीओ में सभी सदस्य देशों को मिले समान अवसर, पीयूष गोयल बोले- सहमति के आधार पर हो निर्णय

नई दिल्ली,एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन में सुधार को लेकर भारत ने स्पष्ट और मजबूत रुख अपनाते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पारदर्शी, समावेशी और सदस्य–आधारित होनी चाहिए, जिसमें विकासशील देशों के विशेष अधिकारों को केंद्र में रखा जाए। कैमरून में आयोजित डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि संगठन के सुधार विकास–केंद्रित होने चाहिए और इनमें भेदभावरहित व सहमति आधारित निर्णय प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि सभी सदस्य देशों के लिए समान अवसर सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूटीओ समझौतों में शामिल स्पेशल एंड डिफरेंशियल ट्रीटमेंट प्रावधान, जो विकासशील देशों को विशेष अधिकार देते हैं, उन्हें अधिक स्पष्ट, प्रभावी और व्यवहारिक बनाया जाना चाहिए। कृषि क्षेत्र पर बोलते हुए गोयल ने कहा कि यह करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ा है, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा के लिए

सार्वजनिक भंडारण (पब्लिक स्टॉकहोल्डिंग), विशेष सुरक्षा तंत्र और कपास से जुड़े लंबित मुद्दों के जल्द समाधान की मांग की।

मत्स्य पालन (फिशरीज) के मुद्दे पर भारत ने संतुलित समझौते की वकालत करते हुए कहा कि यह गरीब मछुआरों की आजीविका की रक्षा करे और वर्तमान व भविष्य की जरूरतों के बीच संतुलन बनाए, साथ ही S-DT प्रावधानों को भी प्रभावी बनाए। गोयल ने डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान तंत्र को बहाल करने की जरूरत पर भी जोर दिया, इसे दुर्बल बताते हुए कहा कि इसके कमजोर होने से सदस्य देशों को न्याय पाने में कठिनाई हो रही है। इसके अलावा, उन्होंने प्लूरिलेटरल (बहुपक्षीय से इतर) समझौतों को WTO ढांचे में शामिल करने के लिए सर्वसम्मति को जरूरी बताया और कहा कि इससे गैर–भागीदार देशों के अधिकारों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। ई–कॉमर्स पर कस्टम ड्यूटी में छूट (मोराटोरियम) के मुद्दे पर भी भारत ने सतर्क रुख अपनाते हुए कहा कि इसके प्रभावों को देखते हुए इसे आगे बढ़ाने पर पुनर्विचार जरूरी है।

रामनवमी पर बड़े हनुमानजी का भव्य श्रृंगार

प्रयागराज। श्रीराम नवमी पर भगवान राम की विधि–विधान से पूजा की गई। संगम तट पर स्थित श्रीराम जानकी मंदिर समेत जिले भर के मंदिरों में भव्य श्रृंगार और पूजा आरती की गई। भय प्रकट कृपाला दीन दयाला... के साथ भगवान की आराधना की गई।

श्रीराम नवमी पर भगवान राम की विधि–विधान से पूजा की गई। संगम तट पर स्थित श्रीराम जानकी मंदिर समेत जिले भर के मंदिरों में भव्य श्रृंगार और पूजा आरती की गई। भय प्रकट कृ

पाला दीन दयाला... के साथ भगवान की आराधना की गई। भगवान राम का दर्शन कर भक्त निहाल हो गए। संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर की भव्य सजावट के साथ विशेष पूजा की गई। महंत बलवीर गिरि ने हनुमानजी की आरती उतारी। आरती में हजारों की संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। हनुमानजी का दर्शन करने के लिए लंबी कतार लगी रही। जय श्री राम के जयकारों से पूरा संगम क्षेत्र गुंजायमान रहा। सुबह मंगला आरती के साथ शुरू हुआ दर्शन पूजन का दौर पूरे दिन चलता रहा। सुंदरकांड, रामायण और श्रीरामनाम संकीर्तन का आयोजन भक्तों की ओर से किया गया। संगम में डुबकी लगाने के बाद बड़ी संख्या में भक्त नंगे पैर हनुमानजी का दर्शन करने के लिए पहुंचे। यहां पर सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस और महिला सिपाहियों की तैनाती की गई। मंदिर की बारादरी में भक्तों ने हवन और आरती के साथ भगवान राम की आराधना की। भक्तों ने घी के दीये जलाकर भगवान राम से मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। श्री बड़े हनुमान मंदिर में भगवान राम और लक्ष्मण का दिव्य श्रृंगार किया गया। भक्तों ने हनुमानजी के साथ ही राम और लक्ष्मण का दर्शन कर पुष्प अर्पित किया। सुगंधित फूलों से मंदिर के गर्भगृह समेत पूरे मंदिर परिसर को सजाया गया है।

रेलवे के मददगार बने फिल्म धुरंधर फिल्म के पाकिस्तानी राजनेता जमील जमाली

प्रयागराज। फिल्म 'धुरंधर' में अभिनेता राकेश बेदी का निभाया गया पाकिस्तानी राजनेता जमील जमाली का किरदार और उनका डायलॉग, 'बच्चा है तू मेरा... टेंशन क्यूं लेता है?' इन दिनों रेलवे के डिजिटल प्लेटफार्म्स पर छाया हुआ है। फिल्म 'धुरंधर' में अभिनेता राकेश बेदी का निभाया गया पाकिस्तानी

राजनेता जमील जमाली का किरदार और उनका डायलॉग, 'बच्चा है तू मेरा... टेंशन क्यूं लेता है?' इन दिनों रेलवे के डिजिटल प्लेटफार्म्स पर छाया हुआ है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने यात्रियों को जागरूक करने के लिए इस चर्चित डायलॉग को अपना हथियार बनाया है। वायरल पोस्टर में अभिनेता के कैरिकेचर के साथ संदेश दिया गया है कि रेल सफर में अगर कोई भी दिक्कत आए, तो यात्री घबराने के बजाय तकनीक का सहारा लें। यात्री अब अपनी शिकायतों या सहायता के लिए इधर–उधर भटकने के बजाय सीधे रेलमदद एप का उपयोग करें। इसके जरिये कोच की सफाई, पानी की किल्लत, सुरक्षा या चिकित्सा सहायता जैसी जरूरतों को तुरंत दर्ज किया जा सकता है। इसी तरह रेलवे बोर्ड ने राकेश बेदी के इसी जमील जमाली अवतार का उपयोग 139 हेल्पलाइन सेवा और रेलमदद एप के प्रचार के लिए किया है। इसका उद्देश्य सफर के दौरान होने वाली असुविधाओं को लेकर यात्रियों के मन से डर और तनाव को खत्म करना है।

रेलवे बोर्ड और एनसीआर के सोशल मीडिया हैंडल में रेलमदद एप और 139 को लेकर जागरूकता अभियान में इस विशेष कैरिकेचर का इस्मेताल किया गया है। – डॉ. अमित मालवीय, सीनियर पीआरओ, एनसीआर

मां–बेटी को खबर ही नहीं थी कि घर में पड़ा है शव

प्रयागराज। आरोपी की मां मुन्नी देवी और बहन गौरी को तो पता ही नहीं था कि मकान के निचले हिस्से के एक कमरे में स्वीटा का शव पड़ा है। यही वजह रही कि बृहस्पतिवार की सुबह दोनों बैग रिपेयरिंग की दुकान के लिए निकल गई थीं। पुलिस ने मां–बेटी को पूछताछ के लिए दुकान से ही हिरासत में लिया। हेमंत की सूचना पर जब एसओ झूंसी पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि स्वीटा का शव पड़ा है, जबकि आरोपी वहीं पर अपनी तीन साल की बेटी के साथ मौजूद था। आरोपी को हत्या का अफसोस नहीं था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के साथ तीन साल की बच्ची को महिला पुलिसकर्मियों को सौंप दिया। देर शाम पुलिस ने बच्ची को दादी और बुआ को सौंप दिया।

मोहरब से हाईवे को जोड़ने वाली सड़क गढ्ढों में तब्दील, राहगीर परेशान

प्रयागराज। क्षेत्र के मोहरब गांव से मुख्य हाईवे को जोड़ने वाली सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी है। सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विकास खंड श्रृंगवेरपुर धाम के मोहरब गांव को जोड़ने वाली सड़क काफी दिनों से खराब है, ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव को समस्या से अवगत कराया गया लेकिन कार्यवाही प्रस्ताव में आज तक प्रस्ताव न होने से समस्या बनी हुई है। गांव के दयानन्द दुबे व बृजेश आदि बताते हैं कि सड़क काफी दिनों से खराब है। बच्चे और बुजुर्ग के चलने लायक नहीं है, आए दिन लोग चोटिल होते है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं, जिनमें स्कूली बच्चे, किसान और व्यापारी शामिल है। स्थानीय निवासियों ने विकास खंड से सड़क की मरम्मत की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

मारपीट में घायल युवक की मौत

प्रयागराज। लखनपुर के मौजा हिनौती पांडे में सोमवार को मारपीट की घटना ने बृहस्पतिवार को बड़ा रूप ले लिया। चार दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद घायल युवक सोनू वर्मा (35) की मौत हो गई।

जिले के 30 पेट्रोल पंपों की टंकियां सूखीं, लगे ताले

अचानक भीड़ बढ़ने से खाली हो गया टैंक

प्रयागराज। पेट्रोल पंप पर अचानक दो से तीन गुना भीड़ जुटने से जिले के तकरीबन 30 पंप की टंकियां सूख गईं और इनपर ताले लग गए। इनमें से ज्यादातर टंकियां एचपीसीएल व बीपीसीएल की हैं। इन पंप को पेट्रोल व डीजल की सप्लाई जिले के बाहर से होती है।

पेट्रोल पंप पर अचानक दो से तीन गुना भीड़ जुटने से जिले के तकरीबन 30 पंप की टंकियां सूख गईं और इनपर ताले लग गए। इनमें से ज्यादातर टंकियां एचपीसीएल व बीपीसीएल की हैं। इन पंप को पेट्रोल व डीजल की सप्लाई जिले के बाहर से होती है।

प्रयागराज में आईओसीएल के 148, एचपीसीएल के 114 और बीपीसीएल के 106 पंप हैं। आईओसीएल के पंप को स्थानीय स्तर पर प्लांट से सीधे सप्लाई हो जाती है। हालांकि, एचसीएल व बीपीसीएल के पेट्रोल पंप के पास यह सुविधा नहीं है। इन पंप को लखनऊ, मुगलसराय और कानपुर से सप्लाई होती है।

पंप पर दो से तीन दिन का स्टॉक होता है, लेकिन अचानक दो से तीन गुना भीड़ बढ़ने के कारण एक ही दिन में पूरा स्टॉक खत्म हो गया और तकरीबन 30 पेट्रोल पंप की टंकियां सूख गईं। इनमें से ज्यादातर पेट्रोल पंप एचपीसीएल व बीपीसीएल के पेट्रोल व डीजल विस्फोटक की श्रेणी में आते हैं, इसलिए इनका परिवहन करने वाले टैंकर काफी धीमी गति से चलते हैं। ऐसे में टैंकर को प्रयागराज पहुंचने में

हैं। बृहस्पतिवार को बैंकों में नवरात्र का अवकाश होने के कारण नई आपूर्ति के लिए भुगतान नहीं किया जा सका।

शुक्रवार को बैंक खुलने के बाद पेट्रोल पंप के लिए नया स्टॉक भेजा जाएगा। हालांकि, आठ से 10 घंटे का वक्त लग सकता है। ऐसे में हालात शनिवार तक ही सामान्य होने के आसार हैं।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को चिह्नित कर होगी कार्रवाई

जिले के सभी पंप में पेट्रोल व डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, इसके बावजूद अफवाह के कारण सभी पंप पर लोगों की लाइन लग रही है।

बृहस्पतिवार को डीएम ने संबंधित विभागों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिए कि अफवाह फैलाने वालों को चिह्नित किया जाए और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। वहीं, उन्होंने पेट्रोल–डीजल व एलपीजी का अनधिकृत भंडारण करने वालों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी सुशील सिंह एवं पेट्रोलियम कंपनियों के विक्रय अधिकारियों ने बताया कि जनपद के सभी पेट्रोल पंप में कुल 65 लाख लीटर डीजल/पेट्रोल उपलब्ध है। वहीं, जिले की 144 गैस एजेंसियों के माध्यम से सुचारु रूप से एलपीजी उपभोक्ताओं को सिलिंडर की आपूर्ति कराई जा रही है।

एलपीजी एवं पेट्रोल/डीजल को लेकर उपभोक्ताओं को अगर कोई शिकायत है तो वे कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर– 8299632748, 7388036037, 8126271301, 8853522200, 9956591463, 8299033086 पर संपर्क कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम में आने वालीं शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

पेट्रोल पंप पर दो पहिया व चार पहिया वाहनों की लंबी लाइन के पीछे एक कारण यह भी है कि पंप से आपूर्ति की मात्रा सीमित कर दिए जाने से लोग अलग–अलग पंप पर जाकर अपने वाहनों की टंकी फुल करा रहे हैं।

किसी पेट्रोल पंप ने 100 तो किसी ने 200 रुपये की सीमा निर्धारित कर दी है, ताकि आपूर्ति संतुलित रखी जा सके और स्टॉक बना रहे। इसके चलते लोग एक पंप पर पेट्रोल भराने के बाद दूसरे पंप पर पहुंचकर लाइन लगा रहे हैं, ताकि टंकी फुल करा सकें। इनमें दो पहिया वाहनों की संख्या अधिक है।

कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है कि पंप पर पेट्रोल–डीजल खत्म हो गया है, जबकि वास्तविक स्थिति ऐसी नहीं है। सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। सोशल मीडिया को ट्रैक किया जा रहा है। अफवाह फैलाने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। – मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

गंगा स्नान करने गए चार बच्चों की डूबने से मौत, तीन बचाए गए, मांडा के बामपुर घाट पर हुआ हादसा

प्रयागराज। मांडा क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। राम नवमी पर गंगा स्नान करने गए सात लड़के गंगा में समा गए। तीन को किसी तरह बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार लड़के तेज धारा में समा गए। काफी प्रयास के बाद चारों के शव गोताखोरों ने बरामद किए। इस घटना से पूरे इलाके में कोहराम मच गया है। मांडा थाना क्षेत्र के बामपुर गांव स्थित गंगा घाट पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। स्नान करने गए सात बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घटना में तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार बच्चे गंगा की तेज धारा में समा गए। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने सभी के शव बाहर निकाले।

बामपुर गांव निवासी मोहित (13) पुत्र दिगविजय, दिव्यांशु (16) पुत्र कमलेश, अमन (9) पुत्र कृष्ण कुमार, कुनाल (12) पुत्र अनिल, निहाल (10) पुत्र अनिल, दीपक (17) पुत्र राजाराम और ऋषभ (10) पुत्र कमलेश शुक्रवार सुबह करीब 10रू30 बजे गंगा घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक गहराई में जाने से सभी बच्चे डूबने लगे।

बच्चों की चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे मौके पर पहुंचे और मोहित, दिव्यांशु व अमन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कुनाल, निहाल, दीपक और ऋषभ गंगा की डूबने से मौत हो गई। काफी प्रयास के बाद चारों के शव बरामद किए गए। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पर प्रभारी थाना निरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी व भारतगंज चौकी प्रभारी सुभाष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं और स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता बच्चों की तलाश जारी।

मुंबई के लिए मिली स्पेशल ट्रेन, हर सोमवार सूबेदारगंज से होगा संचालन

प्रयागराज। रेलवे प्रशासन ने गर्मी की छुट्टियों में मुंबई रूट की ट्रेनों में यात्रियों की लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए प्रयागराज के सूबेदारगंज से समर स्पेशल ट्रेन चलाने घोषणा की है। रेलवे प्रशासन ने गर्मी की छुट्टियों में मुंबई रूट की ट्रेनों में यात्रियों की लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए प्रयागराज के सूबेदारगंज से समर स्पेशल ट्रेन चलाने घोषणा की है। छह अप्रैल से समर स्पेशल ट्रेन का संचालन प्रत्येक सोमवार को मुंबई के बांद्रा टर्मिनल स्टेशन के लिए होगा। इसकी समय सारिणी रेलवे प्रशासन ने जारी कर दी है। सूबेदारगंज से गाड़ी संख्या 04125 की रवानगी सुबह 5रू20 बजे होगी। यहां से फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, ईदगाह (आगरा), फतेहपुर सीकरी, रूपबास, बयाना, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम, वडोदरा, सूरत, वापी, बोरीवली रुकते हुए समर स्पेशल अगले दिन सुबह 9रू30

बजे बांद्रा पहुंच जाएगी। 13 जुलाई तक इस ट्रेन का संचालन होगा।

वापसी में बांद्रा से 04126 का संचालन प्रत्येक मंगलवार सात अप्रैल से 14 जुलाई तक सुबह 11.15 बजे होगा। उक्त स्टेशनों पर रुकते हुए ट्रेन अगले दिन शाम 5.00 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन में एसी थ्री के पांच, एसी इकोनॉमी के चार, एसी टू का एक, स्लीपर के छह एवं सामान्य श्रेणी के चार कोच रहेंगे।

चुनार–चोपन तक पहले के मुकाबले कम समय में पहुंचेंगी ट्रेनें

प्रयागराज जंक्शन से चुनार के रास्ते चोपन जाने वालीं ट्रेनें पहले के मुकाबले कम समय में यह दूरी तय करेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के प्रयागराज मंडल द्वारा चोपन–चुनार रेल खंड पर स्थित 73 साल पुराने दो महत्वपूर्ण पुलों (ब्रिज संख्या 46 और 48) का नवीनीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है।

संबंधित पुलों पर ट्रेनों की अधिकतम स्पीड 30 किमी प्रतिघंटे थी, जो अब बढ़कर 80 से 100 किमी प्रतिघंटे हो जाएगी। पुलों का कायाकल्प होने से प्रयागराज से चोपन पहुंचने में 30 मिनट की बचत होगी। बता दें कि वर्ष 1953 में बने पुल संख्या 48 की स्थिति जर्जर हो चुकी थी, जिसके कारण इसे ओआरएन–2 श्रेणी में रखा गया था। 12 से 20 मार्च 2026 के बीच चले विशेष अभियान में रिकॉर्ड समय के भीतर इसके सभी आठ स्पैन बदल दिए गए। इसी तरह फरवरी 2026 में ब्रिज संख्या 46 के छह स्पैन का भी कायाकल्प किया गया। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि यह उपलब्धि रेल मंत्रालय के मिशन रफ्तार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जटिल कार्य को सुरक्षा के साथ समय सीमा में पूरा करने वाली टीम बधाई की पात्र है।

सड़क दुर्घटना में घायल राजमिस्त्री की इलाज के दौरान गई जान

प्रयागराज। लखनऊ–प्रयागराज नेशनल हाईवे के मंसूराबाद बाईपास पर सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल राजमिस्त्री की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। देर शाम श्रृंग्वेरपुर धाम के भैरव घाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया। नवाबगंज थाना क्षेत्र के रघुवंशपुर उर्फ रेरुआ गांव निवासी फूलचंद्र गौतम (40) पुत्र स्वर्गीय श्रीनाथ राजमिस्त्री का काम कर अपना परिवार चलाता था। गत् 22 फरवरी को वह मंसूराबाद से शाम को काम से वापस घर आ रहा था। जैसे ही वह मंसूराबाद बाईपास पर सम्हई की तरफ पहुंचा, तभी रोडवेज बस ने उसे चपेट में ले लिया। दुर्घटना में राजमिस्त्री की बाइक रोडवेज बस में फंस गई थी। जिससे वह काफी दूर तक घिसटता चला गया था। मंसूराबाद पुलिस ने घायल मिस्त्री को एंबुलेंस से अस्पताल भेज दिया। हालत गंभीर देख परिजनों ने उसे रायबरेली के एम्स में भर्ती किया था। जहां काफी दिनों तक इलाज चलता रहा। रेफर होने के बाद प्रयागराज शहर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। जहां बृहस्पतिवार की सुबह राजमिस्त्री ने दम तोड़ दिया। घटना से पत्नी किरन देवी, भाई गुलाब, हरिश्चंद्र, पुत्र प्रियांशु, प्रीतम, पुनीत व पुत्री प्रिया के साथ ही मां का रो–रोकर बुरा हाल है।

3 मंजिला मकान के तीसरे तल पर लगी आग

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के साधुकुटी चौराहे पर बृहस्पतिवार को देरशाम रोशन लाल साहू की तीसरी मंजिल में अचानक आग लग गई। आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दौरान लोग आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। सूचना मिलने पर नैनी से फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। कुछ देर बाद आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त दिव्यांग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के गर्भवती होने पर घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो वे अचंभित हो गए। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि कौशाम्बी जिले का रहने वाला आरोपी बृजेश अपनी प्रेमिका से मिलने हंडिया थाना क्षेत्र में आता था। आरोप है कि चार माह पूर्व प्रेमिका की मां व प्रेमिका की मदद से उसने 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। जांच के दौरान पता चला कि किशोरी गर्भवती है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कोतवाल हंडिया नितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने पर पति समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

प्रयागराज। दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मार–पीटकर घर से भगाने के आरोप में पुलिस ने विवाहिता की तहरीर पर पति समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। हसनपुर मय चक मंसूर निवासी मोहम्मद हनीफ की पुत्री अलकमा बानो की शादी मऊआइमा थाना क्षेत्र के चकभान पुर उर्फ चकिया निवासी अफजल अहमद के साथ 2022 में हुई थी। आरोप है तभी से अफजल अहमद और उसके परिवार के लोग अलकमा बानो को दहेज के लिए परेशान कर रहे थे। मामले में अलकमा की तहरीर पर बहरिया पुलिस पति, जेठ और जेठानी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष ब्रजेश सिंह ने बताया कि विवाहिता की तहरीर पर प्राथमिकी पंजीकृत की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

अधिवक्ता पर दर्ज प्राथमिकी के विरोध में 28 को एसीपी कार्यालय का घेराव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के तीन अधिवक्ता व उनके परिजनों पर दर्ज प्राथमिकी को फर्जी बताते हुए मेजा बार एसोसिएशन ने विरोध का ऐलान किया है। एसोसिएशन के मंत्री एवं मांडाखास निवासी अतुल वैभव द्विवेदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अधिवक्ताओं से एकजुट होने की अपील की है। जारी बयान में कहा गया है कि 25 मार्च 2026 को मांडा थाना क्षेत्र के गांव तीसेन तुलापुर निवासी एक अधिवक्ता व उनके परिजनों के खिलाफ एससी/एसटी समेत गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। इसके अलावा बीते दो माह में भरथीपुर, हंडिया व बिसहिजन कला समेत अन्य स्थानों के अधिवक्ताओं पर भी विभिन्न मामलों में एफआईआर दर्ज किए जाने का आरोप लगाया गया है। बताया गया कि भरथीपुर के एक अधिवक्ता के खिलाफ क्रॉस एफआईआर दर्ज की गई, जबकि हंडिया क्षेत्र के अधिवक्ता पर भूमि विवाद के मामले में आपराधिक धाराएं लगाई गईं। वहीं बिसहिजन कला के अधिवक्ता पर सड़क जाम के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया, जबकि उनका कहना है कि उन्होंने क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था। एसोसिएशन ने इसे अधिवक्ता समाज की अस्मिता व सम्मान के खिलाफ बताते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि बिना समुचित जांच के दबाव में आकर कार्रवाई की जा रही है, जिससे अधिवक्ताओं का उत्पीड़न बढ़ा है। मामले के विरोध में 28 मार्च को दोपहर 12 बजे एसीपी कार्यालय मेजा का घेराव करने का निर्णय लिया गया है। चेतावनी दी गई है कि जब तक मुकदमा समाप्त नहीं किया जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को परिजनों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित ने थाने में दी तहरीर में बताया कि बुधवार रात करीब डेढ़ बजे वह घर में सो रहा था।

संक्षिप्त

भगवान श्रीराम पर विवादित से भड़का हिन्दू महासभा, सपा नेता के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

लखनऊ, संवाददाता। हरदोई में एक सार्वजनिक सभा के दौरान समाजवादी पार्टी के नेता यदुनंदन लाल लोधी द्वारा भगवान श्रीराम की माता को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद सियासी और सामाजिक माहौल गरमा गया है। इस बयान को लेकर हिन्दू संगठन ने कड़ी नाराजगी जताई है। बताया जा रहा है कि जैसे ही इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, विभिन्न संगठनों और लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई और कार्रवाई की मांग कर दी। कई जगहों पर सपा नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। राजधानी लखनऊ में अखिल भारत हिन्दू महासभा ने इस बयान के विरोध में प्रदर्शन किया। संगठन के प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कोतवाली हजरतगंज में तहरीर देकर आरोपी नेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि धार्मिक आस्थाओं से जुड़ी इस तरह की टिप्पणियां समाज में तनाव पैदा करती हैं और ऐसे असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शिकायत प्राप्त कर ली है और जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर प्रदेश में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है और विभिन्न संगठनों द्वारा विरोध जारी है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून–व्यवस्था का पालन करने की अपील की है।

सिलेंडर की जमाखोरी कर रहे भाजपाई,डिप्टी सीएम के बयान पर अखिलेश का पलटवार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर के संकट से जूझ रही जनता के प्रति हमदर्दी का इजहार करते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम को अपना नम्बर सोशल मीडिया पर जारी करना चाहिए, जिससे आम जनता को सिलेंडर आसानी से मिल सके। श्री यादव ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, उप्र के भाजपाई डिप्टी सीएम के बयान से ये साबित हो गया है कि सिलेंडर की जमाखघेरी और कालाबाजारी भाजपाई ही कर रहे हैं। डिप्टी सीएम का दावा है कि'जिसके पास सिलेंडर न हो वो हमारे यहाँ सूचना भेज दे, हम सिलेंडर भिजवा देंगे'। इस संदर्भ में आग्रह है कि वो अपना फोन नंबर सोशल मीडिया पर डाल दें या अपने घर, कार्यालय या फिर सीधे अपने जमाखघेरीवाले अंडरग्राउंड गोदाम का पता ही दे दें। दरअसल, मौर्य ने कहा था कि अगर किसी के पास सिलेंडर नहीं है, तो वे उनके कार्यालय को सूचित करें, सिलेंडर भिजवाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि संकट के समय भाजपा कार्यकर्ता जनता की मदद के लिए सक्रिय नहीं दिख रहे हैं। गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों के बावजूद पार्टी के लोग कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आपदा में अवसर की नीति के तहत कृत्रिम संकट पैदा कर कालाबाजारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। उनका आरोप है कि पहले कमी का माहौल बनाया जाता है, फिर दाम बढ़ाकर मुनाफा कमाया जाता है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि इस स्थिति से आम जनता में नाराजगी बढ़ रही है और लोग सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने सरकार से तत्काल स्थिति सुधारने और आम लोगों को राहत देने की मांग की है।

मलिहाबाद में 2 पंप पर पेट्रोल–डीजल खत्म, अधिकारियों का दावा स्टॉक बहुत

लखनऊ, संवाददता। राजधानी लखनऊ में पेट्रोल और डीजल के लिए पेट्रोल पंपों पर आज लगातार दूसरे दिन लंबी लाइनें लगी हैं। ग्राहकों की एकबारगी बढ़ी मांग से पेट्रोल पंप बार–बार खाली हो रहे हैं। इस बीच इंडियन ऑयल की तरफ से पीसी कर बताया गया कि एलपीजी और पेट्रोल–डीजल की कोई कमी नहीं है। कतारों में लगने की जरूरत नहीं है। हमारे पास स्टॉक हमेशा की तरह है। ज्यादातर पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है, पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। लोग अफवाह में आकर बेवजह भीड़ लगा रहे हैं। कुछ पेट्रोल पंपों पर सुबह से ही 1–1 किमी लंबी कतार में गाड़ियां खड़ी हो गईं। कई पेट्रोल पंप पर पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल दिया जा रहा है। मलिहाबाद में 2 पंप पर पेट्रोल–डीजल खत्म हो गया है। डीलर ने बताया– शाम तक ईंधन की रिफिलिंग होगी। डीएम आवास, बीकेटी के बांकेनगर का पेट्रोल पंप खाली हो चुका है। मुंशी पुलिया में इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर सुबह 9 बजे पेट्रोल खत्म हुआ था। दोपहर 2 बजे यहां दोबारा पेट्रोल मिलना शुरू हो गया। बंथरा के अनारी फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप, सरोजनीनगर में अमौसी के बेहटवा स्थित बुद्धा फ्यूल पंप पर और बगल में ही भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप का पेट्रोल खत्म हो गया।

राजधानी में दोपहर तेज बारिश हुई

लखनऊ, संवाददता। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज, गोमतीनगर, सरोजनीनगर में दोपहर ढाई बजे के बाद तेज बारिश हुई। पुराने लखनऊ में बादल छाए हुए हैं। शहर पर बादल छाए हैं। कई इलाकों में सुबह से रुक–रुककर हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग की तरफ से बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। बादलों की गरज–चमक हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार को दिन में अधिकतर समय बादल छाए रहेंगे। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। शुक्रवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 34 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 48 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 20 फीसदी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इसके बाद 28 मार्च को मौसम साफ और शुष्क रहेगा।

16 साल बाद 30 हजार का इनामी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददता। राजधानी लखनऊ में 30 हजार रुपए का इनामी गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ ने उसे पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर–9 से पकड़ा। वह गुजरात के सूरत में की डकैती में 16 साल से फरार चल रहा था। गुजरात पुलिस ने उसकी लोकेशन लखनऊ मिलने पर लखनऊ एसटीएफ से संपर्क किया और मदद मांगी। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस निरीक्षक शैलेश राष्ट्रो बिहारी दूबे अपनी टीम के साथ लखनऊ पहुंचे। यहां उसकी आरोपी की रेकी कर उसे दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी जौनपुर के बदलापुर का शैलेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह है। टीम ने उसे गुरुवार शाम करीब 5.30 बजे गिरफ्तार किया।

जिलाधिकारी ने श्री राम नवमी पर देवरहा बाबा गो–आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

मथुरा। श्री राम नवमी के पावन अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने राल स्थित ब्रह्मऋषि श्री देवरहा बाबा गो–आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधि–विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ गौ–पूजन किया तथा आश्रय स्थल में संरक्षित गौवंशों को गुड़ एवं हरा चारा खिलाया। जिलाधिकारी ने गौशाला परिसर में संचालित गोधाम गुरुकुल (स्कूल) के बच्चों को मिष्ठान वितरित किया। गुरुकुल में लगभग 80 छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण करते हुए बच्चों द्वारा बनाए गए शिल्प एवं हस्तकला का अवलोकन किया और उनसे पढ़ाई व भोजन की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने गौशाला में श्रमदान करते हुए साफ–सफाई भी की। जिलाधिकारी ने स्वयं झाडू लगाकर परिसर को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि ब्रह्मऋषि श्री देवरहा बाबा गो–आश्रय स्थल में लगभग

8600 गौवंश संरक्षित हैं। 136 एकड़ क्षेत्रफल में फैली इस गौशाला में गौवंशों के लिए 27 शेड उपलब्ध हैं। उन्होंने गौ उत्पाद केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां गोबर व गौमूत्र से बने साबुन, फेसवॉश, दीपक, फिनाइल, घी और धूपबत्ती आदि उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा को निर्देश दिए कि इन उत्पादों का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाए तथा केंद्र पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी तैयार कराई जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गो–आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं(भूसा, हरा चारा, पेयजल, साफ–सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं एवं शेडकूका गहनता से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि गौवंश के लिए पर्याप्त हरा चारा और स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही पशुओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार के भी निर्देश दिए।

गंगानाथ झा परिसर में "ऋतुचर्या एवं स्वास्थ्य" विषय पर व्याख्यान एवं चर्चासत्र का आयोजन

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर के दृश्य श्रव्य अंकन केन्द्र में स्वास्थ्य एवं ऋतुचर्या पर अत्यन्त लाभप्रद एवं ज्ञानवर्धक चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री गोविन्द जी राव आयुर्वेदिक महाविद्यालय, शोलापुर, महाराष्ट्र से पधारी सहायकाचार्या डॉ. गायत्री समीर देशपाण्डे, ने स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद से सम्बन्धित अनेकों रूढ़िवादी मिथकों को नकारते हुए यथार्थ चर्चा की। उन्होंने वर्तमान समय में मोटापा, अपच एवं लीवर जैसी समस्याओं का मूल कारण भूख न लगने पर भी भोजन ग्रहण करना बताया। उन्होंने ब्रेकफास्ट अथवा अल्पाहार करने की आदत को अनावश्यक बताते हुए प्रातरू भोजन करने को श्रेष्ठ बताया। उनके अनुसार यदि आवश्यक हो तो अल्पाहार अत्यधिक हल्का लेना पाचन सम्बन्धी समस्याओं का शमन करने वाला होता है। इसी प्रकार अत्यधिक मात्रा में जल लेना भी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं को जन्म देने वाली आदत बताया। उनके अनुसार प्यास लगने पर ही जल ग्रहण करना एक अच्छी आदत है। स्वस्थ दिनचर्या का पालन एवं कम से कम 6 घण्टे की निद्रा व्यक्ति को स्वस्थ एवं क्रियाशील बनाये रखती है। उन्होंने चर्चा में महिला स्वास्थ्य पर विशेष बल दिया और महिलाओं को मासिक धर्म आदि के समय प्राचीन वैदिक परम्परानुसार संयमित दिनचर्या का पालन करना स्वास्थ्य की दृष्टि से उन्होंने श्रेयस्कर

बताया। डॉ. गायत्री के अनुसार महिलाओं को विज्ञापन आदि से प्रभावित न होकर अपनी शारीरिक क्षमतानुसार ही विशेष दिनों में कार्य करना चाहिये। संस्कृत विदुषी श्वेता के साथ अपनी चर्चा में उन्होंने प्रातरूकाल मुख में बनने वाले सलीवा को पेट सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण का समाधान मानने के मिथक को अस्वीकार करते हुए मुख के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने को महत्वपूर्ण बताया। ऋतुचर्या पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए डॉ. गायत्री ने ऋतुओं के परिवर्तन के अनुरूप सौन्दर्य प्रसाधनों का उपयोग एवं खान पान को व्यवस्थित करने की सलाह भी दी। उनके अनुसार दूध का सेवन उत्तम है किन्तु अशुद्ध दुग्ध का सेवन विभिन्न प्रकार की त्वचा सम्बन्धी बीमारियों को जन्म दे सकता है। उन्होंने सौन्दर्य प्रसाधनों की अपेक्षा सन्तुलित पोषण द्वारा त्वचा में कान्ति लाना श्रेयस्कर बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने "Ritucharya & Seasonal Regimen for Healthy living" विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ऋतु परिवर्तन का शरीर पर गहन प्रभाव बताया। शास्त्रों में वर्णित छरू प्रकार की ऋतुओं बसन्त, ग्रीष्म, वर्षा,शरद, हेमन्त, शिशिर आदि के विषय में उन्होंने मानव शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख किया। सूर्य के उत्तरायण को आदान काल एवं दक्षिणायन को विसर्ग काल (पदजमत) बताते हुए उन्होंने विसर्ग काल को शारीरिक बल प्रदान करने वाला काल बताया, जबकि आदान काल (नउजमत) का शारीरिक बल का ह्रास करने वाला समय बताया। इसी क्रम में परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने परिसरीय छात्र–छात्राओं के साथ संवाद सत्र में उनका शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन किया। इस अवसर पर डॉ. गायत्री समीर देशपाण्डे एवं संस्कृत विदुषी श्वेता ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को शोध कार्य हेतु प्रेरित किया तथा शोध संभावनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर परिसर के प्राक्शोध पाठ्यक्रम के संयोजक डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, राजेश कान्त तिवारी, गौरव श्रीवास्तव सहित शोधार्थी एवं अन्य छात्र– छात्राएँ उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम भारतीय चेतना के वे आदर्श हैं, जिनमें करुणा व कर्तव्य का अद्भुत संतुलन : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को रामनवमी की हार्दिक बधाई व शुभकामना देते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम भारतीय चेतना के वे आदर्श हैं, जिनमें करुणा तथा कर्तव्य का अद्भुत संतुलन है। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, धर्म, सत्य और मर्यादा के श्रेष्ठतम प्रतीक प्रभु श्री राम के पावन जन्मोत्सव श्री रामनवमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा, प्रभु श्रीराम भारतीय चेतना के वे आदर्श हैं, जिनमें करुणा और कर्तव्य का अद्भुत संतुलन है। उनका जीवन स्मरण कराता है कि शक्ति का सौंदर्य मर्यादा में और विजय का अर्थ लोकमंगल में है। मुख्यमंत्री ने कहा, रामनवमी का यह पावन दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम अपने आचरण में सत्य, व्यवहार में करुणा और समाज में समरसता को स्थान दें, यही रामत्व का सच्चा उत्सव है। उन्होंने कहा, प्रभु श्रीराम की कृपा से आप सभी के जीवन में शांति, संतुलन और सद्भाव बना रहे, यही मंगलकामना है। जय श्री राम।

शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आसिफी मस्जिद में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सऊदी हुकूमत के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। भीड़ ने अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब के खिलाफ नारे भी लगाए। इस दौरान जन्नतुल बकी कब्रों के पुनर्निर्माण की मांग भी उठाई। बवाल की आशंका को देखते हुए बड़े इमामबाड़ा के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई। सऊदी अरब के शहर मदीना में स्थित जन्नतुल बकी का कब्रिस्तान है। वहां पर पैगंबर–ए–इस्लाम की बेटी हजरत फातिमा जेहरा की कब्र को सऊदी शासन ने ध्वस्त कर दिया था। इसी को लेकर प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया। वहीं मजारों के दोबारा बनाने की मांग की। इसके लिए शिया मुसलमान सऊदी हुकूमत के खिलाफ हर साल आज के दिन दिन प्रदर्शन करते हैं। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने प्रदर्शन कर रहे शिया मुसलमानों से कहा जन्नतुल बकी शिया अकीदे के लिहाज से सबसे अहम कब्रिस्तान है। इस दौरान लोगों ने सऊदी हुकूमत मुर्दाबाद के नारे लगाए। मौलाना कल्बे जव्वाद ने सऊदी शासन की कड़े शब्दों में निंदा की। जब तक सऊदी अरब जन्नतुल बकी कब्रिस्तान में स्थित पैगम्बर–ए–इस्लाम की पुत्री और उनके नातियों की कब्रों को फिर से निर्माण नहीं करवा देता।

प्रकृति की मौन कहानी

व्रत तीर्थ त्योहार मनन चिंतन उमंग है।
नूतनता के साथ नवल प्रिय– प्रिय प्रसंग है।
मौसम का यह रंग प्रकृति की मौन कहानी।
अंतस हरि–सत्संग दुआ दे रहीं भवानी।
खेत–खेत सोना हुए खुशहाली चहुँओर है।
कोई भी कहता नहीं दुनिया आत्मविभोर है।।

कोयल गाती गीत मंजरी का मुस्काना।
फागुन में भर रंग सुनाती नूतन गाना।
बहती मस्त बयार भजन भी हरि का करती।
गमका कर संसार दिलों में खुशबू भरती।
श्याम निशा निःशब्द है भोर सुहानी आ गई।
मौसम के अनुरूप ही सबके दिल को भा गई।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नवरात्रि समापन पर बाबा दूधनाथ धाम में हुआ कन्या पूजन
–19 अप्रैल को निकलेगी कलश यात्रा

प्रतापगढ़। क्षेत्र के पूरनपुर खजूर गाँव स्थित बाबा दूधनाथ धाम परिसर में नवरात्रि के समापन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति के साथ कन्या पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में बड़ी

संख्या में क्षेत्रीय श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में भक्ति एवं आस्था का माहौल बना रहा। बाबा दूधनाथ धाम के अध्यक्ष विपिन तिवारी ने कहा कि नवरात्रि का यह पर्व हमें शक्ति, सेवा और संस्कारों का संदेश देता है। कन्या पूजन हमारे सनातन धर्म की महान परंपरा है, जिसमें हम देवी स्वरूप कन्याओं का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। यह आयोजन समाज में श्रद्धा और एकता को मजबूत करता है। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि 19 अप्रैल को बाबा दूधनाथ धाम परिसर से राम दरबार की मूर्ति स्थापना हेतु भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी तथा 20 अप्रैल को विधिवत प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर धाम की उन्नति और क्षेत्र की सुख–समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर ,जगत तिवारी,राहुल तिवारी,वंश राज सिंह,सुमित श्रीवास्तव, रविशंकर,रामचन्द्र सिंह आदि रहे।

पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन 29 को होगा

लखनऊ, संवाददता। पीडब्ल्यूडी नियमित वर्क चार्ज कर्मचारी संघ लोक निर्माण विभाग उ.प्र. का प्रान्तीय द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव 29 मार्च 2026 दिन रविवार को विश्वेश्वैया प्रेक्षागृह कार्यालय प्रमुख अभियंता परिसर (जन भवन के सामने) लोक निर्माण विभाग में प्रदेश अध्यक्ष भारत सिंह की अध्यक्षता में संपन्न होगा। यह जानकारी संघ के महामंत्री शैलेन्द्र शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि इं. ए. के. द्विवेदी प्रमुख अभियंता विकास एवं विभागाध्यक्ष होंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कर्मचारी नेता हरि किशोर तिवारी, एन. डी द्विवेदी, हरिशरण मिश्रा, शशि कुमार मिश्रा, सुशील कुमार बच्चा, सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, सुरेश सिंह यादव, रामलखन सिंह, मनीष कुमार शुक्ला, पद्मनाथ त्रिवेदी,जे.पी. पाण्डे, आदि विभिन्न संघों के प्रतिनिधि ा उपस्थित रहेंगे। अधिवेशन एवं चुनाव की सामान्य सभा में रामराज दुबे, रामलखन सिंह की देखरेख में संघ के पदाधिकारियो का चुनाव समय पूर्वान्ह 11 बजे से 400 वजे तक सम्पन्न होगा।

अफसरों का पौने एक घण्टे इंतजार के चले गए समाज कल्याण मंत्री

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री और पूर्व आईपीएस अधिकारी असीम अरुण अनुशासनप्रिय और समय के पाबंद माने जाते हैं। शुक्रवार को कन्नौज में अधिकारियों की देरी से नाराज होकर मंत्री कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर चले गए। उन्होंने कार्यक्रम का परित्याग किया और डीएम को पत्र लिखकर भविष्य के लिए कड़ा अल्टीमेटम भी दिया।कन्नौज के रोमा स्मारक पर रोमा समुदाय को लेकर कार्यक्रम था। निर्धारित समय पर असीम अरुण कार्यक्रम स्थल पर पहुँच गए थे। प्रोटोकॉल के अनुसार जिले के आला अधिकारियों को मौजूद होना चाहिए था लेकिन काफी देर तक न डीएम पहुँचे और न एसडीएम। मंत्री असीम अरुण ने लगभग 45 मिनट तक अफसरों की प्रतीक्षा की लेकिन गैर–मौजूदगी से नाराज होकर वे कार्यक्रम स्थल से अपनी टीम के साथ वापस चले गए।

उत्तर मध्य रेलवे
टेण्डर संख्याः 230-वि/कशवि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/625 दिनांकः 25.03.2026
ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-कशवि0-कार्य ठेका-1014-2026	कार्य अवधिः 12 महीना
कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के चुनार स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य (चरण-II) के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।	
अनुमानित लागतः ₹ 5,30,48,069.06	बिड सुरक्षा राशिः ₹ 10,61,000.00
बोली प्रणालीः एक पैकेट	निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 17.04.2026, 14:00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 17.04.2026, 15:00 बजे	

नोटः 1.उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2.उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 677/26(DG)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

क्या होर्मुज विवाद डॉलर-युआन युद्ध में तबदील हो सकता है?

पिछले हफ्ते ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के बारे में रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें भारत जाने वाले एल.पी.जी. वाहक भी शामिल थे। इनमें से एक समूह, कोई आश्चर्य की बात नहीं, ईरानी कच्चे तेल का निर्यात करने वाले जहाजों का था। डाटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के अनुमान के अनुसार, अमरीका और इसराईल के साथ शत्रुता के बावजूद मार्च में ईरान के तेल शिपमैंट ने औसतन 1.3–1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गति बनाए रखी। रिपोर्ट के अनुसार, इसका अधिकांश हिस्सा चीन के लिए था, जिसे छोटे रिफाइनर चीनी युआन में भुगतान करके खरीद रहे थे। इसके विपरीत, खाड़ी देशों, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान व्यापारिक वस्तु को डॉलर में बेचते हैं, ने अपने तेल को फंसा हुआ पाया है। दशकों से, 'मुद्रा युद्ध' का अर्थ व्यापारिक लाभ के लिए निर्यात को सस्ता करने के लिए पारस्परिक अवमूल्यन का खेल रहा है। क्या होर्मुज एक ऐसा केंद्र बिंदू है, जो एक नए प्रकार के पैट्रो–मुद्रा युद्ध को जन्म दे सकता है? दुनिया के प्रमुख निर्यातक के रूप में, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने लगभग आधे व्यापार को युआन में परिवर्तित किया है। दुनिया के सबसे सस्ते तरीके से निकाले जाने वाले तेल के संरक्षक के रूप में, इस्लामी गणराज्य ने पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस सुविधाओं पर हुए हमलों के बाद क्षेत्रीय राजतंत्रों के साथ अमरीकी गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पुनघ्वचार करने का आग्रह किया। डॉलर में तेल का व्यापार लंबे समय से डॉलर की वैश्विक तरलता को स्थिर रखने में सहायक रहा है, यहां तक कि अमरीका द्वारा सोने के बदले डॉलर का भुगतान बंद करने के बाद भी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, कच्चे तेल, गैस और अन्य आयातकों के लिए कीमतें बढने के कारण डॉलर की मांग में उछाल आया है, जिससे डॉलर की कीमत में टैरिफ के कारण आई गिरावट से उबरने में मदद मिली है। व्यापार भुगतानों पर इसका प्रभुत्व आरक्षित मुद्रा के वैश्विक निर्धारक के रूप में अमरीका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे शायद अमरीकी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए डॉलर की मजबूती कम हुई हो लेकिन यह अमरीका को एक विशेषाधिकार भी प्रदान करता है। यह अपने राजकोषीय घाटे को बढ़ा सकता है और आसानी से ऋण का ढेर लगा सकता है, क्योंकि इसे अन्य देशों से सस्ते में उधार लेने की सुविधा मिलती है। जो देश इसके बांड खरीदते हैं या अन्य तरीकों से इसमें पूंजी का निर्यात करते हैं। इससे एक महत्वपूर्ण आध्थक लाभ मिलता है–पूंजी की कम लागत। फिर भी, इसराईल के साथ ईरान पर इसके संयुक्त हमले ने मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम के कारण इसके बांड यील्ड को बढ़ा दिया है। टैरिफ लगाने वाले व्हाइट हाऊस ने अपनी डॉलर नीति पर मिले–जुले संकेत दिए हैं लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए ईरान को दिया गया इसका अल्टीमेटम तेल संबंधी रणनीति का हिस्सा है, जैसे ईरान के खार्ग निर्यात टर्मिनल पर इसकी नजर। यदि चीन चुपचाप होर्मुज के लिए लंबी लड़ाई के परिणाम में हिस्सेदारी चाहता है, तो संभवतरू इसके बदले में कच्चे तेल के बिल को युआन के पक्ष में स्थानांतरित करना शामिल है। निश्चित रूप से, अभी तक मुद्रा युद्ध छिड़ा नहीं है लेकिन इसका खतरा अब मामूली नहीं है। इस युद्ध का भारतीय रुपए पर क्या प्रभाव पड़ेगा? दुर्भाग्य से, अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। पूंजी प्रवाह में कमी के कारण व्यापार घाटा बढने की आशंका है, ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) की संकटमोचक भूमिका पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। डॉलर की बिक्री से रुपए की तरलता भी कम हो रही है, इसलिए इस कमी को दूर करने के लिए आर.बी.आई. को खुले बाजार में बॉन्ड की खरीद बढ़ानी होगी। हालांकि, इस प्रक्रिया की भी एक सीमा है, जिसका अर्थ है कि ब्याज दरों को बढने से रोकने के लिए रुपए को और कमजोर होना पड़ सकता है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, रुपए में गिरावट से निर्यात को बढ़ावा देने की तुलना में मुद्रास्फीति बढने की संभावना अधिक है, इसलिए आर.बी.आई. को अपने कार्यों को विवेकपूर्ण ढंग से समायोजित करना चाहिए। चूंकि विनिमय दरों और उधार देने के बीच आर.बी.आई. का एक अन्य प्रमुख संतुलन रुपए की आंशिक परिवर्तनीयता से उत्पन्न होता है, इसलिए कुछ पूंजी बहिर्वाह पर कड़े प्रतिबंध लगाने से उसका काम आसान हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक संकट का संकेत मिलेगा और इसे उचित ठहराने के लिए पूंजी प्रवाह में भारी कमी की आवश्यकता होगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक इष्टतम मुद्रा नीति के लिए, मौजूदा स्थिति का शांत होना आवश्यक है। मौजूदा रुझानों को देखते हुए, डॉलर–युआन के बीच टकराव की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। केंद्रीय बैंकों को तदनुसार अपने परिदृश्य विश्लेषण में विविधता लाने की आवश्यकता हो सकती है।

श्रीराम आज भी प्रासंगिक क्यों हैं?

सभी पाठकों को पावन रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं। हिंदू परम्परा में श्रीराम भगवान विष्णु के सातवें अवतार हैं, जिनका अवतरण त्रेता युग में हुआ। महर्षि वाल्मीकि प्रणीत रामायण और गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरितमानस में श्रीराम को जिस रूप में चित्रित किया गया है, वह आज भी कितना प्रासंगिक है, यह एक स्वाभाविक विचार है। इसी संदर्भ में भगवान विष्णु के ही आठवें अवतार श्रीकृष्ण का भी स्मरण होता है। दोनों ही करोड़ों ड्क्षहदुओं के लिए केवल ईश्वर नहीं, बल्कि आस्था, मर्यादा, जीवन–दर्शन और पथ–प्रदर्शक के शाश्वत प्रतीक हैं। 'मर्यादा पुरुषोत्तम' श्रीराम धर्म, त्याग और आदर्श शासन की प्रेरणा देते हैं, जबकि 'योगेश्वर' श्रीकृष्ण कर्म, नीति, प्रेम और जीवन के गूढ़ रहस्यों का बोध कराते हैं। दोनों के बिना भारतीय जीवन–दृष्टि अपूर्ण है। श्रीराम और श्रीकृष्ण भिन्न–भिन्न परिस्थितियों में अवतरित हुए। श्रीराम का जन्म ऐसे वातावरण में हुआ, जहां परिवार और समाज का पूर्ण सहयोग उन्हें प्राप्त रहा। माता–पिता, भरत और लक्ष्मण जैसे त्यागमयी भाई–सभी ने जीवन के प्रत्येक मोड़ पर उनका साथ दिया। यहां तक कि कैकेयी, जिनके कारण उन्हें कष्टकारी वनवास मिला–वे भी उनकी 'अपनी' हैं। अयोध्यावासी भी उनके प्रति गहन प्रेम और निष्ठा रखते थे। इस प्रकार श्रीराम का संघर्ष मुख्यतरू बाहरी है। इसके विपरीत, श्रीकृष्ण का जीवन प्रारंभ से ही अंतर्युद्ध का प्रतीक रहा। जन्म लेते ही उन्हें अपने ही मामा कंस के भय से गोकुल भेजना पड़ा। वहां भी उनके वध हेतु कालिया, पूतना, शकटासुर, त्रिणावर्त, वत्सासुर, अघासुर, बकासुर, व्योमासुर और अरिष्टासुर जैसे अनेक असुरों को भेजा गया। फिर भी कान्हा ने अपने सभी शत्रुओं को परास्त किया। आगे महाभारत के रूप में उन्हें अपने ही कुल–परिवार के भीतर भीषण छल और युद्ध का सामना करना पड़ा।

श्रीराम, पिता के निधन का समाचार पाकर वन में विलाप करते हैं और सीता–हरण के पश्चात व्याकुल होकर वन–वन भटकते हैं। इसके प्रतिकूल, श्रीकृष्ण बाल्यकाल से ही अद्वितीय ध ैर्य और संतुलन के प्रतीक बने रहते हैं। जन्म से लेकर प्रभास क्षेत्र तक उनके जीवन में असंख्य चुनौतियां आईं, किंतु श्रीकृष्ण ने कभी उन्हें अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और सुदर्शन चक्रधारी के रूप में हर बार भगवान विष्णु के आठवें अवतार के रूप में अपनी दिव्यता का परिचय कराया। वहीं श्रीराम हरि अवतार होते हुए भी अपनी प्रत्येक पीड़ा का सामना सामान्य मानव की तरह करते हैं। चूंकि सामान्य मनुष्य को श्रीकृ ष्ण की भांति आलौकिक शक्तियां प्राप्त नहीं होतीं, इसलिए श्रीराम का जीवन हर युग में मानव के लिए अधिक अनुकरणीय प्रतीत होता है। श्रीराम उन जीवन–मूल्यों के संग्रह हैं, जो व्यक्ति, समाज और विश्व को संतुलित, सुखी और मर्यादित जीवन जीने की दिशा दिखाते हैं। उनके जीवन का विश्लेषण अनेक मिथकों को खंडित करता है और यह बताता है कि प्रत्येक परिस्थिति में मनुष्य को कैसा आचरण करना चाहिए। उदाहरणस्वरूप, पिनाक (शिवध नुष) भंग होने के पश्चात जब भगवान परशुराम और लक्ष्मण के बीच वाक्य–विवाद होता है और वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण हो जाता है, तब श्रीराम अपनी विनम्रता और मधुर वाणी से स्थिति को संभालते हैं। फिर परशुरामजी, श्रीराम की महिमा स्वीकार करते हुए उनकी स्तुति करते हैं और तपस्या हेतु वन चले जाते हैं, 'कहि जय जय रघुकुल केतु, भृगुपति गए बनहि तप हेतु।' यह प्रसंग सिखाता है कि सफलता के शिखर पर पहुंचकर भी व्यक्ति को संयम और विनय नहीं छोडना चाहिए।

श्रीराम सामाजिक समरसता के जीवंत प्रतीक हैं। वनवास के कठिन समय में उन्होंने अपने सहयोगी वन से चुने। केवट, निषाद, कोल, भील, किरात और वानर–भालू सभी उनके साथी बने। यदि वह चाहते, तो अयोध्या या जनकपुर से सहायता ले सकते थे, किंतु उन्होंने समाज के उन वर्गों को अपनाया, जिन्हें आज दलित, आदिवासी या पिछड़ा कहा जाता है। उन्होंने इन सभी को 'सखा' कह कर संबोधित किया और हनुमानजी को लक्ष्मण से भी अधिक प्रिय बताया रू 'सुनु कपि जिय मानसि जनि ऊना, तैं मम प्रिय लछिमन ते दूना।' इस संदर्भ में शबरी प्रसंग अत्यंत मार्मिक है। शबरी स्वयं को अत्यंत निम्न मानते हुए कहती हैं, 'अधम ते अधम अध ाम अति नारी', किंतु श्रीराम उत्तर देते हैं कि वह केवल भक्ति का संबंध मानते हैंरू 'जाति–पांति कुल धर्म बड़ाई'। इस प्रकार वह स्पष्ट करते हैं कि मनुष्य का मूल्य उसकी जाति या सामाजिक स्थिति से नहीं, बल्कि उसके भाव और कर्म से निर्धारित होता है। इसी प्रकार, गिद्धराज जटायु, जो सामान्य दृष्टि में तुच्छ पक्षी है, सीता जी की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करते हैं। तब श्रीराम उन्हें पितातुल्य सम्मान देते हुए उनका अंतिम संस्कार करते हैं। यह दर्शाता है कि उनके लिए कर्म ही सर्वोपरि है। रावण, जो पुलस्त्य कुल में जन्मा विद्वान ब्राह्मण, महान शिवभक्त और स्वर्ण लंका का सम्राट था, अपने दुराचरण के कारण अधर्म का प्रतीक बन गया। परिणामस्वरूप, हनुमानजी द्वारा लंका–दहन और श्रीराम द्वारा उसका वध यह संदेश देता है कि सामाजिक और आध यात्मिक मूल्यों की रक्षा हेतु किसी भी व्यक्ति को उसके पद, वंश या सामर्थ्य से नहीं, बल्कि उसके आचरण के आधार पर आंका जाना चाहिए। बालि–वध के पश्चात श्रीराम सुग्रीव को किष्किन्धा का राज्य सौंपते हैंऔर अंगद को उत्तराधि ाकारी घोषित करते हैं। इसी प्रकार, लंका विजय के बाद वह विभीषण का राजतिलक कराते हैंऔर उनसे परिवार की स्त्रियों को सांत्वना देने का आग्रह करते हैं। यह दर्शाता है कि वह केवल विजेता नहीं, बल्कि न्यायप्रिय और करुणाशील शासक भी थे, जिन्हें राज्य और संपत्ति का लोभ नहीं था। शत्रु के प्रति भी मर्यादित व्यवहार का आदर्श श्रीराम प्रस्तुत करते हैं। जब विभीषण रावण के अंतिम संस्कार को लेकर संकोच करते हैं, तब श्रीराम कहते हैं– 'मरणान्तानि वैराणि...' अर्थात् शत्रुता केवल जीवनकाल तक सीमित होती है, मृत्यु के पश्चात उसका अंत हो जाना चाहिए। यह विचार आधुनिक 'हेग कन्वेंशन' (1899, 1907 और 1954) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों से भी कहीं अधिक प्राचीन है। दुर्भाग्यवश, भारतीय वाङ्मय की व्याख्या मार्क्स–मैकॉले मानसपुत्रों ने अपने पूर्वाग्रहों और भारत–विरोधी एजैंडे के अनुरूप किया। उनका उद्देश्य सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि असंतोष को सतत् हवा देना रहा है। रामायण और महाभारत रूपी ऐतिहासिक ग्रंथों को भी इसी दृष्टि से तोड़–मरोड़कर प्रस्तुत किया गया। जबकि सत्य यह है कि श्रीराम का अवतरण किसी दलित की हत्या करने हेतु नहीं हुआ, बल्कि रावण रूपी अन्याय, अहंकार और अधर्म के उन्मूलन के लिए था। श्रीराम का संपूर्ण जीवन मानवीय मर्यादाओं से संचालित है। वह हर परिस्थिति का सामना एक सामान्य मनुष्य की तरह करते हैं और उसी सीमाओं के भीतर उसका समाध ाान भी ढूंढते हैं। यही कारण है कि श्रीराम का जीवन मानव के लिए अधिक सहज, व्यावहारिक और अनुकरणीय है।

पश्चिम एशिया युद्ध में परमाणु खतरे के प्रति लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं

डॉ. अरुण मित्रा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब होर्मुज जलडमरूमध य को खोलने की अंतिम घोषित तिथि बढ़ा दी है। ऐसा लगता है कि यह फैसला उनके वरीय सैन्य नेतृत्व की सलाह पर, और साथ ही यूरोपीय देशों और खाड़ी सहकारी परिषद् (जीसीसी) के देशों के दबाव में लिया गया है। इन देशों को डर है कि अमेरिका द्वारा जरूरी अवसंरचना पर बमबारी के बदले में, ईरान डीसेलिनेशन और जल शोधन संयंत्रों को निशाना बना सकता है, जिससे इस इलाके में लाखों लोगों को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरान के साथ अच्छी बातचीत चल रही है। लेकिन ईरान ने ट्रंप के इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है। यह दावा ध्यान भटकाने की एक तरकीब हो सकती है, हालांकि इस बात की ज्यादा संभावना है कि अमेरिकी प्रशासन को ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्प की सीमाओं का एहसास होने लगा है। अमेरिका के अंदर भी ट्रंप की बात को कोई बहुत ज्यादा समर्थन नहीं मिल रहा है। लोगों की राय का एक बढ़ता हुआ हिस्सा मानता है कि वह नेतन्याहू के सामरिक एजेंडा से प्रभावित हुए हैं और यह अमेरिका की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस इलाके में विस्तार के एक बड़े जायोनी नजरिए का हिस्सा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि वह 30 मिनट के अंदर लड़ाई खत्म कर सकते हैं। सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसा नतीजा सिफ र्नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल से ही मुमकिन होगा। यह बयानबाजी बहुत चिंताजनक है, खासकर ऐसे नेता की तरफ से जिसे जल्दबाजी में काम करने वाला और अलग–अलग राय रखने वाला माना जाता है– जो अक्सर अचानक फैसले लेता है, अपने बयान बदलता है, और लंबे समय की कोई सही रणनीति नहीं दिखाता। लगभग तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद अमेरिका और इजरायल दोनों ही निराश दिख रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि ईरान कुछ ही दिनों में हार मान लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उम्मीदों के उलट, ईरान ने न सिर्फ अमेरिकी–इजरायली हमले का विरोध किया है, बल्कि खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई भी की है। ईरान के एफ–35 जैसे अतिविकसित लड़ाकू विमान को गिराने की खबरों ने हैरानी और बढ़ा दी है– जिन्हें सिर्फ अमेरिका और इजरायल चलाते हैं। इसके अलावा, ईरान ने हिंद महासागर में 4,000 किलोमीटर दूरी तक मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें दागी हैं, जिससे उसके दुश्मन परेशान हैं। डिमोना नाभिकीय संयंत्र समेत संवेदनशील जगहों के पास हाल के हमलों ने इजरायल की चिंता बढ़ा दी है। यह युद्ध एक बार फिर इजरायली सरकार की मानवीय नियमों और अन्तरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाता है। बच्चों समेत आम लोगों को हमलों का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा है, जबकि जरूरी अवसंरचना को सुनियोजित तरीके से नष्ट कर दिया गया है। गाजा में हुई तबाही और लेबनान में दुश्मनी का बढ़ना इस रूझान को और मजबूत करता है। साथ ही, खाड़ी देश अमेरिका के सुरक्षा भरोसे की कमियों को तेजी से पहचान रहे हैं। ऐसा लगता है कि अमेरिका भी बढ़ते अकेलेपन का सामना कर रहा है। नाटो ने कथित तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में शामिल होने से मना कर दिया है, जबकि यूरोपीय देश सैन्य गतिविधियों में शामिल होने से हिचकिचा रहे हैं। ट्रम्प ने इन देशों को श्कायरश कहकर उनकी बुराई की है, जिससे रिश्ते और खराब हो गए हैं। यूरोपीय नेताओं ने उनके शामिल होने की संभावना पर ही सवाल उठाते हुए जवाब दिया है, यह देखते हुए कि अगर अमेरिका– अपनी जबरदस्त नौसैनिक शक्ति के साथ–जलडमरूमध्य को सुरक्षित नहीं रख सकता, तो छोटी यूरोपीय सेनाएं तो बेअसर हो जाएंगी। खतरा यह है कि तनाव और बढ़ सकता है। अगर ईरान इजरायल या पूरे इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जरूरी सामरिक हमला करने में कामयाब हो जाता है, तो अमेरिकी नेतृत्व में निराशा और बढ़ सकती है। ट्रंप के जल्दबाज स्वभाव को देखते हुए, इस बात की असली चिंता है कि वह नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल सहित बहुत ज्यादा सख्त कदम उठा सकते हैं। इस खतरे को और बढ़ाने वाली बात मौजूदा अमेरिकी नेतृत्व की बनावट है, जिसमें अनुभवी राजनेता की कमी दिखती है और जो रणनीतिगत दूरदर्शिता के बजाय व्यापारिक सोच से ज्यादा प्रेरित है। नेतन्याहू के राज में इजरायल एक बदमाश देश बन गया है। इजरायली विरासत मंत्री अमीचाईएलियाहू ने गाजा पर नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। यह उनकी सोच को दिखाता है जिसके अब बदलने की उम्मीद कम है, खासकर तब जब ईरान ने इजरायल में डिमोना नाभिकीय संयंत्र के पास हमला किया है। इस झगड़े के आर्थिक नतीजे दुनिया भर में पहले से ही महसूस किए जा रहे हैं। ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा हो रहा है। भारत, जो ऊर्जा आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है, खास तौर पर कमजोर है। मुश्किल के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, जिनमें बढ़ती कीमतों की वजह से आबादी के एक हिस्से के जलाने की लकड़ी जैसे पारंपरिक ईंधन पर वापस लौटना भी शामिल है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो इससे बड़े पैमाने पर औद्योगिक बंदी हो सकती है, छोटे व्यवसाय बंद हो सकते हैं, और परिवहन प्रणाली में गंभीर रुकावटें आ सकती हैं जिसमें रेल, सड़क और हवाई यात्रा शामिल है। कई देशों के पास लंबे समय तक रुकावट झेलने के लिए तेल भंडार पर्याप्त नहीं हैं।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

आया संकट घोर है, हिम्मत मत तू हार।
जातिवाद को त्याग कर, बढ़ा देश में प्यार।।
बढ़ा देश में प्यार, एकता है बस ताकत।
शत्रु रहे कमजोर, अगर तू हो जा जाग्रत।।
कहती रचना आज, प्रभु की कैसी माया।
छिड़ा विश्व में युद्ध, समय यह दुष्कर आया।।

पावन भारत देश है, पावन है संस्कार।
अलबेला है विश्व में, करो इसे स्वीकार।।
करो इसे स्वीकार, सनातन देश हमारा।
मिट्टी है अनमोल, बहे संस्कारी धारा।।
कहती रचना आज, सभी ऋतुए मनभावन।।
राम श्याम की भूमि, देश अपना है पावन।।

रचना सक्सेना
अशोकनगर
प्रयागराज

अब युद्ध विराम को लालायित ट्रंप

सर्वमित्रा सुरजन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले तीन–चार दिनों से युद्धविराम पर कुछ ज्यादा ही जोर दे रहे हैं। इससे पहले तक ट्रंप बारंबार ऐलान कर रहे थे कि युद्ध अब खत्म होने ही वाला है, ईरान को हम बस जीतने ही वाले हैं, ईरान बस अब घुटनों पर आने ही वाला है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ट्रंप को हकीकत का एहसास हो गया कि 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोलने और अली खामेनेई की हत्या के बाद वहां अपनी मर्जी का शासक नियुक्त करने और उसके साथ ही ईरानी तेल भंडारों पर कब्जे के जो ख्वाब उन्होंने देखे थे, वो अब पूरी तरह बिखर चुके हैं। इसलिए युद्ध के 26 दिन बीतने के बाद युद्ध छेड़ने वाला अमेरिका पीछे हटता हुआ नजर आ रहा है। लेकिन ट्रंप अपनी अकड़ अब भी बरकरार रखने के लिए दावा कर रहे हैं कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है। जबकि ईरान ने किसी बातचीत या उसकी संभावना तक से इंकार कर दिया है। हालांकि नामुमकिन जैसा कोई शब्द राजनीति में नहीं होता, तो हो सकता है कि आज नहीं तो कल ईरान और अमेरिका फिर बातचीत की मेज पर आएं। लेकिन फिलहाल तो इसमें अमेरिका ज्यादा लालायित दिख रहा है, वहीं जख्मी ईरान और ज्यादा पलटवार करने के इरादे दिखा रहा है। ट्रंप की लाचारी की यह पराकाष्ठा है कि भारत–पाकिस्तान समेत आठ देशों में जंग खत्म करने के दावे करने वाले वो खुद अब मध्यस्थ की तलाश में हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका में बातचीत करवा सकता है, इसमें अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हो सकते हैं, लेकिन ईरानी पक्ष से कौन आएगा यह पता नहीं। पाकिस्तान अगर वाकई यह मध्यस्थता करवाता है, तो भारत के लिए यह बड़ी मात होगी। क्योंकि दुनिया में अब तक पाकिस्तान की छवि आक्रांता देश की रही है, जबकि भारत शांतिदूत की भूमिका में रहा है। अब पाकिस्तान अगर भारत का यह ओहदा छीनने में सफल होता है तो यह मोदी सरकार की बहुत बड़ी कूटनीतिक पराजय होगी। अगर मोदी शुरु से नेहरूजी की बनाई विदेश नीति पर चलते तो न उन्हें किसी को गले लगाने या माई डियर फ्रेंड बोलने की जरूरत पड़ती, न बिना बात हाहा–हीही करने की। लेकिन निजी छवि के लिए मोदी ने यही सब किया अब भुगतान पूरा देश कर रहा है। अंग्रेजी का एक जुमला है कि तुम मुझे बताओ कि तुम्हारे दोस्त कौन हैं और मैं तुम्हें बताता हूं कि तुम कौन हो। वैसे मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में मध्यपूर्व की जंग पर अपना संक्षिप्त वक्तव्य देने के बाद बुधवार शाम सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। इसमें वो पहले की बैठकों की तरह अनुपस्थित रहेंगे या सारे दलों के नेताओं से चर्चा करने की हिम्मत दिखाएंगे, ये पता चल ही जाएगा। इस बीच नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच होर्मुज खुलवाने से लेकर ऊर्जा संकट आदि मुद्दों पर फोन पर चर्चा हुई है। इस बात की जानकारी भी पहले भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने दी और फिर प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसके बारे में सोशल मीडिया पर बताया। गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने का महत्व शामिल है। कुछ देर बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि बातचीत उपयोगी रही। भारत तनाव कम करने और जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज स्ट्रेट को खुला, सुरक्षित और सबके लिए पहुंच योग्य रखना वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है। खुद को लोकतंत्र का रहनुमा बताने वाले इन दोनों नेताओं में जो बातचीत हुई, उसमें कुछ नया नहीं है। इस चर्चा का महत्व तो तब रहता जब मोदी ट्रंप को दो टूक कहने की हिम्मत दिखाते कि आपने युद्ध छेड़कर ठीक नहीं किया और आपके कारण अब हम भी मुश्किल में फंसे हैं। लेकिन ऐसी कोई बात का जिक्र इस चर्चा में नहीं था। बाकी मोदी की हिम्मत पर सवाल इसलिए भी है कि वे लोकसभा और राज्यसभा में अपने साथी सांसदों से कह सकते थे कि मैं इस संकट के बारे में ट्रंप से चर्चा करने वाला हूं। या बात होने के फौरन बाद ही सोशल मीडिया पर जानकारी दे देते। लेकिन उन्होंने पहले सर्जियो गोर की पोस्ट का इंतजार किया, फिर अपनी तरफ से देश को जानकारी दी। ठीक वैसे ही जैसे ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने की जानकारी पहले ट्रंप ने दी थी, फिर अमेरिका ने। इसके बाद अगर विपक्ष कहे कि पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं, तो इन्हें बुरा लग जाता है। बहरहाल, 26 दिनों के युद्ध में हजारों मौतें हुई हैं, लाखों परिवार बर्बाद हुए हैं, कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं, अरबों का धन बर्बाद हुआ है, दोनों हाथों से संपदा लुटाने वाली धरती को गोले–बारूद की मार से मरणासन्न किया गया है, बेजुबान पशु–पक्षियों, फूलों, पेड़ों, अनगिनत जीव–जंतुओं के अस्तित्व पर बन आई है, नदियां, सागर, पोखर, तालाब जहरीले हो चुके हैं और अब भी जीत की कोई संभावना नहीं दिख रही तो डोनाल्ड ट्रंप बेतुके तर्कों से युद्धविराम की बात कर रहे हैं। हालांकि ईरान शुरु से कहता आया है कि युद्ध वह अपनी शर्तों पर बंद करेगा और खून की आखिरी बूंद तक लड़ेगा। इसलिए इस समय भी उसके हमले तेज हैं और निशाने पर है इजरायल, जो ट्रंप की तरह युद्ध खत्म करने की बात तो नहीं कर रहा, लेकिन इस बारे में खबरें जरूर फैला रहा है। सऊदी अरब के मीडिया अल अरबिया ने इजरायली अखबार येदिओथ अहरोनोथ के हवाले से बताया कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चुपके से अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ को बताया है कि सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने किसी संभावित समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को मंजूरी दे दी है। यह खबर किसी चुटकुले से कम नहीं है, क्योंकि इजरायल यह तो तय कर ले कि मोजतबा खामेनेई के बारे में उसे दुनिया को क्या बताना है। कभी वह मोजतबा खामेनेई के मरने की बात करता है, कभी उन्हें गंभीर रूप से घायल बताता है और अब कह रहा है कि वे किसी संभावित समझौते के लिए बातचीत करने तैयार हैं। इतनी पलटी मारने के बाद इजरायल की विश्वसनीयता खाक रह गई है और यही हाल ट्रंप का भी है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि युद्ध खत्म होने की कगार पर है, शनिवार को ट्रंप ने 48 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया और सोमवार को पांच दिन के सीजफायर की बात कह दी। फिर ये भी कहा कि होर्मुज पर मैं और नया अयातुल्लाह मिलकर नियंत्रण रखेंगे। यानी ट्रंप ने दूसरे तरीके से यह मान लिया कि ईरान में नया सुप्रीम लीडर उन्हें मंजूर है, क्योंकि अब तक तो मोजतबा खामेनेई की हत्या की धमकी ट्रंप और नेतन्याहू दोनों दे रहे थे। दरअसल इन दोनों नेताओं को ये समझ आ गया है कि ईरान के साथ–साथ पूरी दुनिया का जो नुकसान इनकी सनक में हुआ है, उसे अब और ज्यादा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संजय दत्त की `आखरी सवाल' की रिलीज डेट फाइनल

> आखरी सवाल का यह पोस्टर वास्तव में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है जिसे फिल्म में दिखाया गया है। एक बड़े क्वेश्चन मार्क के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले निखिल नंदा, धनराज नथवानी और संजय दत्त द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म आखरी सवाल में संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे सितारों की एक शानदार फौज नजर आएगी! संजय दत्त की फिल्म आखरी सवाल की सिर्फ पहली झलक ही सामने आई थी कि उसने खलबली मचा दी, जिसमें आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया गया है। बढ़ती उत्सुकता के बीच, अब एक नया असरदार पोस्टर जारी किया गया है, जो अपने शानदार विजुअल्स के साथ बहुत कुछ कह रहा है और रिलीज की तारीख 15 मई 2026 का भी खुलासा कर रहा है। आखरी सवाल का यह पोस्टर वास्तव में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है जिसे फिल्म में दिखाया गया है। एक बड़े क्वेश्चन मार्क के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती हैरू "वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया।" यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है। पोस्टर पर रिलीज की तारीख भी साफ तौर पर 15 मई 2026 दिखाई गई है। इसके अलावा, आखरी सवाल दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 साल की यात्रा की सच्ची कहानी लेकर आने वाली है, जिसकी स्थापना 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया, यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं। भारत के युवाओं के मन में इस संगठन को लेकर कई सवाल और गहरी उत्सुकता है, जो ज्यादातर लोगों के लिए एक रहस्य जैसा रहा है, क्योंकि यह संगठन खुद का प्रचार करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने में विश्वास नहीं रखता। इस फिल्म में संजय दत्त, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे सितारों की एक बेहतरीन कास्ट शामिल है। इतने अनुभवी और टैलेंटेड कलाकारों के साथ, यह फिल्म दर्शकों पर एक गहरा प्रभाव छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। घ्अभिजीत मोहन वारंग, जिन्होंने 2021 में मराठी ड्रामा पिकासो के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत की थी, उन्हें 67वें नेशनल फिल्म अवार्ड्स में स्पेशल मेंशन मिला था। उन्होंने लगातार मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में शानदार फिल्में दी हैं। उनके कुछ कामों में डेजा वू, प्रेम प्रथा धूमशान, पिकोलो और शॉर्ट फिल्म वर्चुअल रियलिटी शामिल हैं। नीम ट्री एंटरटेनमेंट और निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के मेकर्स हॉटस्टार और अन्य प्लेटफार्मों के लिए कई प्रोजेक्ट्स पहले ही पूरे कर चुके हैं। आखरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा और धनराज नथवानी द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म के निर्माता निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके सह–निर्माता हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

पैन–इंडिया लेवल पर रिलीज होगी 'नागबंधम', फैंस हुए एक्साइटेड

अभिषेक नामा के निर्देशन में बनी फिल्म नागबंधम 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है, जिसमें विराट कर्ण, नाभा नतेश, जगपति बाबू और ऋषभ साहनी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जब से फिल्म नागबंधम का ऐलान हुआ है, यह 2026 की सबसे चर्चित पैन–इंडिया फिल्मों में से एक बन गई है। पौराणिक कथाओं और ड्रामे के अनोखे मेल वाली इस फिल्म में विराट कर्ण, नाभा नतेश, जगपति बाबू और ऋषभ साहनी अहम भूमिकाओं में हैं। दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। इस बढ़ते क्रेज को देखते हुए, टीम ने अब फिल्म की रिलीज डेट फाइनल कर ली है। नागबंधम 3 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो एक शानदार विजुअल और बेहतरीन सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। मेकर्स लगातार फिल्म के दिलचस्प कैरेक्टर पोस्टर्स और अपडेट्स जारी करके दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म का टीजर भी रिलीज किया है, जो एक रहस्यमयी और जादुई दुनिया की शानदार झलक दिखाता है, जिसे बड़े पर्दे पर उतारने का वादा किया गया है। भव्य पौराणिक तत्वों, बेहतरीन टथ्र, दमदार बैकग्राउंड स्कोर और किरदारों के असरदार पलों के मेल के साथ, यह टीजर सिनेमा प्रेमियों के लिए एक शानदार और भव्य विजुअल ट्रीट होने का वादा करता है। यह फिल्म भारत की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ी हुई है और हमारे देश के गौरवशाली अतीत और स्वर्ण युग से प्रेरित एक कहानी पर आधारित है। इसके अलावा, यह पौराणिक कथाओं के उन अनछुए पहलुओं को सामने लाती है, जो भारतीय सिनेमा में बहुत कम देखने को मिलते हैं, जिससे दर्शकों को एक अनोखा और दिलचस्प अनुभव मिलने वाला है। नागबंधम की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायरेक्शन की कमान अभिषेक नामा ने संभाली है। किशोर अन्नपुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को पूरे भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सोची–समझी साजिश धुरंधर 2 पर सिख संगठन की नाराजगी पर आदित्य धर ने दी सफाई, कहा–असली फुटेज को एडिट किया

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2 को एक तरफ जहां दर्शकों को बेशुमार प्यार मिल रहा है। वहीं दूसरी तरफ, सिख समुदाय में इसके कुछ सीन्स को लेकर नाराजगी है। मुंबई के एक सिख संगठन ने फिल्म पर उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, फिल्म पर विवाद खड़ा करने के बीच अब हाल ही में निर्देशक आदित्य धर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और एक लंबा पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आदित्य धर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इन फर्जी तस्वीरों और वीडियो को भ्रामक करार दिया। उनका कहना है कि कुछ लोग फिल्म के ऑफिशियल प्रमोशनल मैटेरियल के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं और एआई की मदद से उसे बदलकर गलत मैसेज फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।" आदित्य धर ने अपने पोस्ट में लिखा– "फिल्म को देश और विदेश में दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और इसके लिए मैं आभारी हूं, लेकिन कुछ लोग इस सकारात्मक माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। असली फुटेज और तस्वीरों को एडिट कर ऐसा कंटेंट बनाया जा रहा है, जो फिल्म की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही एक तस्वीर में रणवीर सिंह के किरदार 'हमजा' यानी 'जसकीरत' को पगड़ी पहने स्मोकिंग करते हुए दिखाया गया है। इस तस्वीर को लेकर आदित्य धर ने अपने पोस्ट में कहा कि यह तस्वीर पूरी तरह फर्जी है और फिल्म किसी आधिकारिक प्रमोशनल मैटेरियल का हिस्सा नहीं है। आदित्य धर ने कहा, "इस तरह के फेक कंटेंट जानबूझकर तैयार किए जा रहे है। यह एक सोची–समझी साजिश है, जिसका मकसद लोगों को भड़काना और गलतफहमियां पैदा करना है। इस तरह की हरकतें न सिर्फ फिल्म को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज में भी नकारात्मक माहौल बनाती हैं।'धुरंधर 2' को लेकर फर्जी कंटेंट बनाने वालों के खिलाफ एक्शन की बात करते हुए आदित्य धर ने कहा, "फिल्म में हर किरदार और हर सीन को बहुत ही संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ पेश किया गया है। जो भी इस तरह की गलत तस्वीरें फैला रहे हैं, वे सच्चाई से दूर हैं। मैं दर्शकों से अपील करता हूं कि वे सिर्फ ऑफिशियल सोर्स पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर फैल रहे किसी भी संदिग्ध कंटेंट से बचें। एआई के जरिए बनाए गए ऐसे फेक विजुअल्स का उद्देश्य लोगों को गुमराह करना है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। आदित्य ध ार ने चेतावनी भी दी कि इस तरह के फर्जी कंटेंट बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

फिर से मां बनने वाली हैं दिशा परमार? पत्नी की प्रेग्नेंसी की अटकलों पर राहुल वैद्य ने लगाया विराम

सिंगर राहुल वैद्य और एक्ट्रेस दिशा परमार को लेकर हाल ही में सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि यह कपल दूसरी बार माता–पिता बनने वाला है। इन खबरों ने फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी, लेकिन अब खुद राहुल और दिशा ने इन सभी अटकलों पर साफ तौर पर विराम लगा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल वैद्य ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने साफ कहा कि फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं है और यह सिर्फ अफवाहें हैं। राहुल के अनुसार, हम अपने पहले बच्चे में व्यस्त हैं और उसकी तुलना किसी और चीज से नहीं की जा सकती। मैं इसके लिए जितना भी उत्सुक क्यों न होऊं, अभी ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। फिलहाल दोनों अपनी फैमिली लाइफ को एंजॉय कर रहे हैं और अपनी बेटी नव्या की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। राहुल वैद्य और दिशा परमार ने 16 जुलाई 2021 को शादी की थी। शादी के दो साल बाद, 2023 में दोनों ने अपनी बेटी नव्या का स्वागत किया। तब से ही यह जोड़ी अपने पैरेंटहुड को खुलकर एंजॉय कर रही है। राहुल वैद्य ने अपने करियर की शुरुआत 'इंडियन आइडल 1' से की थी, जहां वह दूसरे रनर–अप रहे। इसके बाद उन्होंने 'बिग बॉस 14' में भी शानदार प्रदर्शन किया और रनर–अप बने। साथ ही, 'खतरों के खिलाड़ी 11' में भी वह फाइनलिस्ट रहे। इन दिनों वह 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में नजर आ रहे हैं। वहीं दिशा परमार टीवी इंडस्ट्री का जाना–पहचाना नाम हैं। उन्होंने 'प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा' और 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' जैसे लोकप्रिय शो में काम किया है।

वर्षों तक फिल्मों से दूर रहे अक्षय खन्ना, दूसरी पारी में कैसे मचाया धमाका?

बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार अक्षय खन्ना आज अपना 50वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह ऐसे कलाकार हैं, जो काफी समय तक पर्दे से दूर रहे। इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी की है। आइए जानते हैं उनके करियर में कैसा उतार–चढ़ाव रहा? दिसंबर 2025 में आई फिल्म धुरंधर में जब अक्षय खन्ना ने विलेन का किरदार निभाया, तो रहमान डकैत का रोल दर्शकों को खूब भाया। इस रोल के लिए पहले कई कलाकारों ने मना कर दिया था। मगर अक्षय खन्ना इस रोल के लिए राजी हो गए। जब ध ुरंधर रिलीज हुई, तो उनके रहमान डकैत के किरदार ने सबको हैरान कर दिया। फिल्म में उनका स्वैग भरा डांस जेन–जी को खूब पसंद आया। 50 साल के अक्षय खन्ना की कहानी दूसरे सुपरस्टार जैसी नहीं है। दिवंगत अभिनेता विनोद खन्ना के बेटे अक्षय खन्ना ने उस दौर में बॉलीवुड में कदम रखा, जब सिनेमा के पर्दे पर संवादों का शोर था। साल 1997 में पहली फिल्म हिमालय पुत्र असफल रही। अक्षय खन्ना के लिए 2000 के दशक की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही। आ अब लौट चलें जैसी फिल्म में काम करने के बावजूद उनकी कई फिल्में फ्लॉप रहीं। इससे उनके करियर अस्थिर हो गया। अक्षय खन्ना के लिए सबसे कठिन दौर उस वक्त था जब वह गंजेपन से जूझ रहे थे। इसे लेकर वह बहुत दुखी थे। हालांकि बाद में उन्होंने कई फिल्मों में कम बालों के साथ अच्छी एक्टिंग की। अक्षय खन्ना के करियर में मोड़ तब आया जब उन्होंने 2001 में फरहान अख्तर की फिल्म दिल चाहता है में काम किया। जिस दौर में उनके साथ के अभिनेता मारधाड़ वाले किरदार कर रहे थे, उस समय उन्होंने एक शांत प्रेमी की भूमिका निभाई। इस फिल्म में उन्होंने अपनी से बड़ी उम्र की तलाकशुदा से इश्क किया। उनका यह किरदार सबसे संजीदा किरदारों में शुमार हो गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला।

सिर्फ फोन देखने से ही आंखें नहीं होती खराब, एसी और हवा भी नजर को करती है कमजोर

कुछ दिन ऐसा होते हैं जब आंखें भारी, सूखी और अजीब सी थकी हुई महसूस होती हैं। ऐसा तब भी होता है जब स्क्रीन पर ज्यादा समय न बिताया गया हो। यह बात थोड़ी उलझन भरी लग सकती है। आखिर, अक्सर स्क्रीन को ही इसका दोषी माना जाता है। लेकिन सच्चाई इससे कहीं ज्यादा सरल और गहरी है। आंखों की थकान हमेशा इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कोई व्यक्ति कितनी देर तक किसी डिवाइस को देखता है। बल्कि, यह इस बात पर निर्भर करती है कि पूरे दिन आंखें किस तरह काम करती हैं। इसका संबंध रोशनी, नींद, हवा, बैठने–उठने के तरीके (चवेजनतम) और यहां तक कि हमारी भावनाओं से भी होता है।

बिना स्क्रीन टाइम के भी आंखें थकने के कारण

नींद की कमीः अगर आप रोज 7,8 घंटे की अच्छी नींद नहीं लेते, तो आंखों को आराम नहीं मिलता और वे थकी हुई लगती हैं। इससे लाल आंखें, भारीपन, बार–बार जम्हाई की समस्या रहती है।

ड्राई आई (आंखों में नमी की कमी): कम पलक झपकाना, ज्यादा ।ब में रहना या पानी कम पीना इन सब से भी आंखें सूख जाती हैं। इससे आंखों में जलन, खुजली, चुभन होती है।

पोषण की कमीः विटामिन ए, सी और ओमेगा–3 की कमी आंखों की थकान बढ़ा सकती है। इससे धुंधला दिखता है रात में कम दिखने लगता है।

तनाव और मानसिक थकानः मेंटल स्ट्रेस का असर सीधे आंखों पर भी पड़ता है। इससे सिरदर्द, आंखों में दबाव रहता है।

गलत नंबर का चश्माः अगर आपका चश्मा सही नहीं है या आप जरूरत होने पर भी नहीं पहनते, तो आंखों पर जोर पड़ता है।

एलर्जी या धूल–मिट्टीः पोल्यूशन, धूल या एलर्जी के कारण भी आंखों में जलन और थकान हो सकती है।

आंखों पर ध्यान देने की जरुरत

अगर लगातार दर्द या जलन बनी रहे, धुंधला दिखना शुरू हो जाए, सिरदर्द बार–बार हो तो डॉक्टर से जांच जरूर कराएं। आंखों की थकान कम करने केलिए 1. 20–20–20 नियम अपनाएं, यानी हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखें। आंखों को ऊपर–नीचे, दाएं–बाएं घुमाएं, हथेलियों से हल्का दबाव देकर रिलैक्स करें। ध्यान रखें कि आंखों की थकान सिर्फ स्क्रीन से नहीं, बल्कि आपकी लाइफस्टाइल का आईना होती है इसे समझना और सुधारना जरूरी है।

अगर आपको भी है नेल बाइटिंग की आदत तो अभी हो जाएं सावधान, वरना...

आप सभी ने अपने पास बहुत से लोगों को ऐसे देखा होगा जिन्हें नाखून चबाने की आदत है। ये आदत चाहे आपके लिए एक नार्मल चीज हो लेकिन ये काफी हानिकारक साबित हो सकती है। ऐसे में एक्सपर्ट्स की मानें तो उनका कहना है यह शरीर में कैल्शियम की कमी और मानसिक तनाव के चलते होता है। ये आदत बड़ों से लेकर बच्चों तक के हर उम्र के व्यक्ति में देखने को मिल सकती है। यह आदत कई गम्भीर बीमारियों को आपके द्वार पर लाकर खड़ा कर सकती है। ऐसे में अगर आपको भी इस तरह की आदत है तो हम आपको आज बताएंगे की आप किस तरह इससे छुटकारा पा सकते हैं।

परमानेंट डिसैबिलिटी

मुंह के अंदर नाखून डालने वालों को के शरीर में पैरोनीशिया जैसी कई बैक्ट्टीरिया प्रवेश कर सकते हैं। इससे आपका शरीर अनियंत्रित हो सकता है। ऐसे में हाथ और पैरों के ज्वाइंट्स प्रभावित हो सकते हैं। इस समस्या को सेप्टिक अर्थराइटिस भी कहा जाता है। इसका इलाज कराना मुश्किल हो सकता है।

बैक्टीरियल समस्याएँ

नेल को कुतरने वालों को बैक्टीरियल इंफेक्शन होने का खतरा काफी ज्यादा रहता है। ऐसे में आपकी स्किन पर सूजन, रेडनेस, लालिमा जैसी परेशानी हो सकती है। दरसअल, हमारे नाखून के अंदर कई तरह की गंदगी मौजूद होती है, ऐसे में जब आप नाखून को अपने मुंह में डालते हैं, तो यह आपके शरीर में प्रवेश करती है।

दस्त और पेट दर्द की समस्या

जब आप अपने नाखूनों को दांतों से काटते हैं, तो हानिकारक जीवाणु आपके नाखूनों से आपके मुंह में जाते हैं और फिर आपके पेट में जाते हैं। जिसके कारण इन रोगाणुओं से जठरांत्र संबंधी संक्रमण हो सकते हैं जो दस्त और पेट दर्द जैसी समस्या पैदा करते हैं।

कमजोर होते हैं दाँत, बिगड़ने लगती है शेप

नाखूनों से निकलने वाली गंदगी दांतों को समय के साथ–साथ कमजोर करने लगती है। बहुत अधिक मात्रा में नाखून चबाने वाले लोगों में मुंह बंद करने पर ऊपरी और निचले दांतों को एक साथ आने पर समस्या होती है। अगर आप अक्सर अपने नाखूनों को चबाते है तो दांतों के अपने मूल स्थान से शिफ्ट होकर बाहर आने और कमजोर होने की भी बहुत अधिक आंशका रहती है। जिन लोगों को बचपन से नाखून चबाने की आदत होती हैं। उनके दांत टेढ़े–मेढ़े हो सकते हैं।

नाखूनों के टिश्यूज हो सकते हैं खराब

नाखून को चबाने या काटने से नाखून के अंदर के टिशू खराब हो सकते हैं। कुछ लोगों में बार–बार नाखून को चबाने की आदत होती है, जिसकी वजह से आपके नाखून परमानेंट डैमेज हो सकते हैं।

मसूड़ों में हो सकता है दर्द

बार–बार नाखून चबाने की आदत के कारण मुंह के अंदर नाखून फंस सकते हैं। ऐसे में मसूड़ों से खून आने लगता है। कुछ लोगों में मसूड़ों और दांतों में सड़न की शिकायत हो जाती है, जिसकी वजह से दांतों में संक्रमण और घाव की स्थिति हो सकती है।

पाचन तंत्र हो सकता है प्रभावित

नाखून चबाने की वदह से पेट में बैक्टीरियल इंफेक्शन हो सकता है, जिसका बुरा असर आपके पाचन तंत्र पर भी पड़ सकता है। इसके कारण गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण की परेशानी हो सकती है।

कैंसर का भी खतरा

हमेशा नाखून चबाने से आँतों का कैंसर भी हो सकता है। दरअसल नाखून चबाने से नाखून में मौजूद बैक्टीरिया हमारी आँतों तक पहुँच जाते हैं जो कैंसर जैसे रोग भी दे सकते हैं।

नाखून चबाने को कम करने के उपाय

आप अपने नाखून चबाना रोकने के लिए कुछ आसान घरेलू उपायों को आजमा सकते हैं। हालांकि कुछ मामलों में ये समस्या इतनी बढ़ जाती है कि इससे छुटकारा पाने के लिए आपको डॉक्टरी परामर्श की आवश्यकता भी पड़ सकती है। लेकिन फिर भी आपको पहले घरेलू तरीकों को आजमाने की जरूरत है।

नाखूनों को छोटा रखें

अपने नाखूनों को चबाने से खुद को रोकने का एक आसान तरीका उन्हें छोटा रखना है। इस पद्धति के पीछे एक सरल विचार है। जब आपके नाखून छोटे होते हैं तब आपके पास चबाने के लिए कुछ भी नहीं होता है, तो आप अपने नाखूनों को चबाने के लिए खुद को मजबूर महसूस नहीं करेंगे।

नाखूनों में खराब स्वाद का नेल पेंट लगाएं

आप जब भी नाखूनों में नेलपेंट लगाती हैं ध्यान रखें कि किसी खराब स्वाद का नेल पेंट अप्लाई करें। ऐसा करने से जब आप नाखून चबाती हैं तब इनका खराब स्वाद आपको नाखून चबाने से रोकने में मदद करेगा। आप नाखूनों में नीम के कड़वे तेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

नाखून चबाने की वजह को पहचानें

आप नोटिस कर सकते हैं कि जब जब आप ईमेल पर स्क्रॉल करते हैं, काम करते हैं या टीवी देखते हैं तो आप अक्सर नाखून चबाना शुरू कर देते हैं। क्या बोरियत, चिंता आदि को कम करने की वजह से आप नाखून चबाते हैं। आप इसके कारणों का सही पता लगाएं और इस आदत को कम करने की कोशिश करें।

नाखूनों को ऊपर से ढक लें

यदि मैनीक्योर आपको नाखून चबाने से रोकने के लिए काफी नहीं है तो इन्हें ऊपर से ढकना भी एक अच्छा तरीका है। इसके लिए आप अपने नाखूनों में कोई नेल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें या फिर इन्हें किसी टेप या बैंडेड से कवर करें।

खून की नलियों में जमा गदें कोलेस्ट्रॉल को कैसे कम करें

हमारे शरीर में कोलेस्ट्रॉल एक तरह का फैट होता है, जो शरीर के कई जरूरी कामों के लिए आवश्यक है। लेकिन जब इसका स्तर ज्यादा बढ़ जाता है, खासकर स्क्स यानी "खराब कोलेस्ट्रॉल", तो यह खून की नलियों में जमा होने लगता है। इससे ब्लॉकेज बन सकता है, जो आगे चलकर दिल की बीमारी, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बनता है। अच्छी बात यह है कि सही खानपान और जीवनशैली में बदलाव करके इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

ट्रांस फैट से दूरी बनाना बहुत जरूरी

ट्रांस फैट सबसे खतरनाक प्रकार का फैट माना जाता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को बढ़ाता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करता है। यह आमतौर पर प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड में पाया जाता है, जैसे कि बिस्किट, केक, पेस्ट्री, नमकीन, चिप्स और तली–भुनी चीजें। फास्ट फूड जैसे पिज्जा, बर्गर और फ्रेंच फ्राइज में भी इसकी मात्रा अधिक होती है। बार–बार ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करने से खून की नलियों में फैट जमा होने लगता है। इसलिए बेहतर है कि आप ताजे, घर के बने और कम तेल वाले भोजन को प्राथमिकता दें और पैकेज्ड फूड का सेवन कम से कम करें।

अच्छे फैट को अपनी डाइट में शामिल करें

सभी फैट नुकसानदायक नहीं होते। मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट जैसे "अच्छे फैट" शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। ये खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे फैट एवोकाडो, ऑलिव ऑयल, मूंगफली का तेल, बादाम, अखरोट, काजू और बीजों में पाए जाते हैं। इनका नियमित और संतुलित मात्रा में सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है और खून की नलियां साफ बनी रहती हैं। हालांकि, इनका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि ज्यादा मात्रा में कोई भी फैट नुकसान पहुंचा सकता है।

नियमित व्यायाम करें

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने का सबसे प्रभावी तरीका है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर शारीरिक गतिविधियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है। रोजाना कम से कम 30 मिनट की एक्सरसाइज, जैसे तेज चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना या तैराकी, न केवल वजन को नियंत्रित करती है बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करती है। एक्सरसाइज करने से अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) का स्तर बढ़ता है, जो धमनियों से खराब फैट को हटाने में मदद करता है। अगर आप ज्यादा समय नहीं निकाल सकते, तो दिनभर में छोटे–छोटे समय में भी एक्टिव रहना फायदेमंद होता है, जैसे सीढ़ियां चढ़ना या पैदल चलना।

वजन को संतुलित रखें

दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। ज्यादा वजन या मोटापा कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सीधे प्रभावित करता है। जब शरीर में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है, तो यह एलडीएल को बढ़ाता है और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर भी बढ़ जाता है। रिसर्च के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति अपने कुल वजन का सिर्फ 5 से 10 प्रतिशत भी कम कर ले, तो उसके कोलेस्ट्रॉल स्तर में सुधार देखा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आप संतुलित आहार लें, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन शामिल हों, और नियमित रूप से व्यायाम करें। साथ ही, मीठे और ज्यादा कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाएं।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करना पूरी तरह से आपकी जीवनशैली पर निर्भर करता है। सही खानपान, नियमित व्यायाम और वजन को संतुलित रखकर आप न सिर्फ अपने कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकते हैं, बल्कि दिल की बीमारियों से भी बच सकते हैं। यदि आपका कोलेस्ट्रॉल स्तर बहुत ज्यादा है, तो किसी डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है और बिना परामर्श के दवाइयों का सेवन नहीं करना चाहिए।

चेहरे की झुर्रियों की दूर करेंगे ये 3 फल, दिखेंगी आप जवां

खराब लाइफस्टाइल, गलत खानपान और स्ट्रेस से भरी जिंदगी से लोगों के शरीर में पोषण की कमी की वजह से लोग अपनी उम्र से ज्यादा नजर आने लगते हैं। लोग आजकल स्किन केयर की छोड़ो, खुद के सेहत का भी ध्यान नहीं रख पाते हैं। त्वचा की सही ढंग से देखभाल नहीं करने से व्यक्ति के चेहरे पर झुर्रियां, फाइन लाइन्स और स्किन का ढीला होना जैसे एजिंग के साइन नजर आने लगते हैं। वहीं आपको अपने खानपान का ध्यान रखना भी काफी जरुरी हैं, आप ना केवल उम्र से जुडे लक्षणों को दूर कर सकते हैं बल्कि एजिंग की प्रक्रिया को भी धीमा कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको 3 ऐसे फलों के बारे में बताएंगे जो अपने एंटी–एजिंग गुणों के लिए जाने जाते हैं।

एवोकाडो

एवोकाडो फ्रूट में कई सारे पोषण तत्व पाए जाते हैं। एवोकाडो में फाइबर, आयरन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, एनर्जी, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, विटामिन ए, बी 6, सी, ई, के, थियामिन, कॉपर और जिंक आदि मौजूद पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह एक पावरहाउस सुपरफूड कहा जाता है, क्योंकि इसमें हेलिदी फैट्स, एंटी–एजिंग से लड़ने के लिए एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं। एवोकाडो आपकी त्वचा को बेहतर बनाने के लिए जाने जाते हैं, क्योंकि इसमें एंटी–एजिंग गुणों के लिए एक बेहतरीन फूड ऑप्शन है।

ब्लू बेरीज

इस लिस्ट में शामिल ब्लू बेरीज फ्रूट एंटी–एजिंग के लिए सबसे बेहतर ऑप्शन है। यह पोषक तत्व का पावरहाउस है, इसमें बायोफ्लेवॉनॉइड्स नामक एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं जो धमनियों को मजबूत करता है। स्किन का टाइट रखने और कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी के खतरे को कम करते हैं।

अनार

अनार एंटी–एजिंग के लिए सबसे बढ़िया है, इसमें मौजूद विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। अनार में पॉलीफेनॉल्स और एलेजिक एसिड से भरपूर होता है जो त्वचा को सूरज की हानिकारक नुकसान से बचाने में भी मदद करता है और कोलेजन का प्रोडक्शन को बढ़ाता है। अनार के सेवन से चेहरे की सारी झुर्रियां गायब हो जाएगी।

संक्षिप्त

धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते नहीं देखना चाहते अश्विन, बोले- ऐसा करते हैं तो संन्यास लें

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि आईपीएल 2026 में महेंद्र सिंह धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलना चाहिए। अश्विन का कहना है कि अगर धोनी बतौर इम्पैक्ट खिलाड़ी खेलते हैं, तो उन्हें पूरा सीजन नहीं खेलना चाहिए। मालूम हो कि पिछले दो सीजन से धोनी बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे बल्लेबाजी करने आ रहे हैं। आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा था। 14 मुकाबलों में धोनी 135 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 196 रन ही बना सके थे। पूरे सीजन में धोनी एक अर्धशतक तक नहीं लगा सके थे। धोनी के इस फैसले की आलोचना भी हुई थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद धोनी पिछले सीजन कप्तानी करते हुए भी नजर आए थे। अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि धोनी को इम्पैक्ट खिलाड़ियों की लिस्ट में होना चाहिए। अगर वह स्क्वॉड में हैं, तो उन्हें हर हाल में खेलना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं चाहते हैं, तो धोनी को पूरा सीजन नहीं खेलना चाहिए। मैं इस बात के पक्ष में नहीं हूं कि धोनी इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर खेलें। धोनी को प्लेइंग इलेवन में होना चाहिए। अगर वह नहीं खेलना चाहेंगे, तो वह रिटायर हो जाएंगे। उन्हें खुद पर 100 प्रतिशत भरोसा है कि वह अभी खेल सकते हैं। वह पिछले तीन महीने से अभ्यास कर रहे हैं। वह यह मैसेज दे रहे हैं कि मैं खेलना चाहता हूं। आप कुछ भी सोचिए अगर वह खेलना चाहते हैं, तो कोई भी उनसे जाकर यह नहीं कह सकता है कि आप नहीं खेलेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में निराशाजनक रहा था। टीम ने टूर्नामेंट का अंत सबसे निचले पायदान पर रहते हुए किया था। चेन्नई 14 में से सिर्फ चार ही मैच जीत सकी थी, जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस सीजन चेन्नई ने युवा खिलाड़ियों पर दांव लगाया है और टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी।

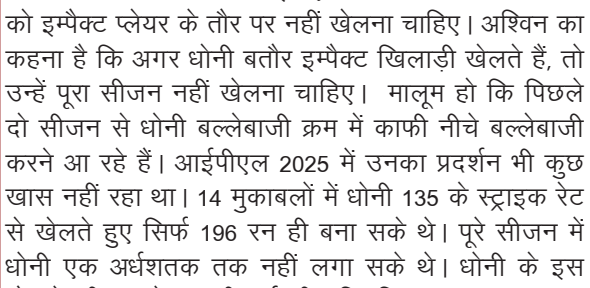

चांदी की कीमतों में करीब 5380 रुपये का उछाल, सोना 1.41 लाख पर पहुंचा

मुंबई,एजेंसी। सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोना और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। पश्चिम एशिया के हालात को लेकर बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच निवेशकों ने फिर से बुलियन में खरीदारी बढ़ाई। चांदी की कीमत 5380 रुपये बढ़कर 2.25 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वहीं सोने का भाव 1320 रुपये बढ़कर 1.41 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट थमती नजर आई और दोनों धातुएं हल्की बढ़त के साथ कारोबार करती दिखीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के साथ समझौते की समयसीमा को एक बार फिर आगे बढ़ाने के फैसले से बाजार को अस्थायी राहत मिली है। कॉमेक्स पर सोना 0.33प्रतिशत बढ़कर 4,423 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि पिछले सत्र में इसमें करीब 3प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। वहीं चांदी की कीमत 0.29प्रतिशत बढ़कर 68.13 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाने की कार्रवाई को फिलहाल 10 दिनों के लिए टाल दिया गया है। इससे निवेशकों की घबराहट कुछ कम हुई है, क्योंकि पिछले एक महीने से जारी संघर्ष ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रखी थी। ऊंची ब्याज दरों की आशंकारू ऊर्जा कीमतों में तेजी से महंगाई का खतरा बढ़ा है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रख सकते हैं। इससे बिना ब्याज वाले एसेट जैसे सोना–चांदी की मांग घटती है। तुर्की का गोल्ड सेलरू ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक तुर्की के केंद्रीय बैंक ने संघर्ष के शुरुआती दो हफ्तों में करीब 60 टन सोना बेचा या स्वैप किया, जिससे बाजार पर अतिरिक्त दबाव आया। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक सोना करीब 17प्रतिशत तक गिर चुका है। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान सोना पारंपरिक सेफ हेवन की तरह व्यवहार करने के बजाय शेयर बाजार के साथ चलता दिखा और तेल की कीमतों के विपरीत दिशा में रहा।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में इस सप्ताह भारी उतार–चढ़ाव के बीच शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दोनों प्रमुख बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई नकारात्मक दायरे में कारोबार करते दिखे। सुबह करीब 9:40 बजे ब्रेंट क्रूड वायदा 2.29 प्रतिशत गिरकर 105.53 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 2.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92.08 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया। साप्ताहिक आधार पर भी कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी बनी हुई है। इस हफ्ते अब तक ब्रेंट क्रूड 5 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुका है और 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है। इसी तरह ज् क्रूड में भी करीब 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो फिलहाल 90 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है। इस अनिश्चित माहौल में निवेशकों का झुकाव सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ा, जिससे कीमती धातुओं में तेजी देखने को मिली। 2 अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 1,486 रुपये या 1.07 प्रतिशत चढ़कर 1,40,979 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

अनन्या-ईशा से काव्या-सुहाना तक, किसके पास कितनी दौलत?

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, अब यह पैसा, पावर, ब्रांड और ग्लैमर का सबसे बड़ा मंच बन गया है। हालांकि, 18 सीजन बीत जाने के बाद एक बात तो साफ हो गई है कि अब सिर्फ फ्रेंचाइजी मालिक ही नहीं, बल्कि उनकी बेटियां भी पैस–पावर और ग्लैमर की दुनिया में अपनी मजबूत और अलग पहचान बना रही हैं। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अनन्या बिड़ला इन दिनों सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रही हैं। उनके परिवार की कंपनी आदित्य बिड़ला ग्रुप ने कंसोर्टियम यानी कुछ अलग कंपनियों के साथ मिलकर रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी 16000 करोड़ रुपये में खरीद ली। इसी के साथ आरसीबी आईपीएल इतिहास की सबसे महंगी टीम बन गई। हालांकि, इसके बाद कुमार मंगलम बिड़ला और आरसीबी के नए चेयरमैन और कुमार मंगलम के बेटे आर्यमान बिड़ला चर्चा में हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा अनन्या बिड़ला की हो रही है। फैंस आरसीबी टीम की इस नई मालकिन की रील्स खूब शेयर कर रहे हैं और पैपराजी भी अनन्या के फोटोज शेयर करने का मौका नहीं छोड़ रहे। फ्रेंचाइजी मालिकों के बेटियों में सिर्फ अनन्या ही नहीं, इस लिस्ट में ईशा अंबानी, काव्या मारन, सुहाना खान और जाह्नवी मेहता भी शामिल हैं। जब भी ये किसी पब्लिक फंक्शन में या किसी गेदरिंग में जाती हैं, सुर्खियों में बन ही जाती हैं।

भारत के सबसे शक्तिशाली बिजनेस और एंटरटेनमेंट परिवार से आने वाली बेटियां अब सिर्फ स्टेडियम में स्टैंड्स में नजर आने वाले चेहरे भर नहीं रह गई हैं, इनमें से कुछ बड़ी कंपनियां संभाल रही हैं, कुछ क्रिकेट फ्रेंचाइजी का चेहरा बन चुकी हैं, तो कुछ धीरे–धीरे उन पारिवारिक साम्राज्यों में अपनी जगह बना रही हैं, जो खेल से कहीं आगे तक फैले हुए हैं। निजी संपत्ति की बात करें तो (पूरे परिवार की कुल संपत्ति नहीं), अनन्या बिड़ला इस सूची में सबसे ऊपर नजर आती हैं। उनके बाद ईशा अंबानी और काव्या मारन का स्थान है, जबकि सुहाना खान और जान्हवी मेहता इस सूची में अभी अपनी पैठ बना रही हैं और अभी अपने करियर को आगे बढ़ाने के दौर में हैं। हालांकि, यहां एक अहम बात ध्यान रखने वाली है कि ये सभी आंकड़े मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित अनुमान हैं, न कि आधिकारिक या ऑडिटेड घोषणाएं। खासकर जाह्नवी मेहता के मामले में उनकी व्यक्तिगत संपत्ति का कोई स्पष्ट और

विश्वसनीय सार्वजनिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

अनन्या बिड़ला इस लिस्ट में सबसे ऊपर इसलिए हैं क्योंकि उनकी कहानी सिर्फ पारिवारिक दौलत तक सीमित नहीं है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी होने के बावजूद उन्होंने खुद का बिजनेस खड़ा किया। सिर्फ 17 साल की उम्र में शुरू की गई उनकी कंपनी स्वतंत्र माइक्रोफिन आज देश की बड़ी माइक्रोफाइनेंस कंपनियों में शामिल हैं। 2025 में इसमें हजारों करोड़ का निवेश भी आया। उनकी व्यक्तिगत नेटवर्थ करीब 1700 करोड़ रुपये के आसपास मानी जाती है। इसके अलावा, आरसीबी जैसी बड़ी आईपीएल फ्रेंचाइजी से उनका जुड़ाव उन्हें क्रिकेट के पावर सर्कल में और मजबूत बनाता है। इतना ही नहीं, उनका जुड़ाव गुजरात टाइटंस टीम से भी है। बिड़ला स्टेट्स गुजरात टाइटंस टीम का प्रिंसिपल पार्टनर भी है और इसका प्रतिनिधित्व अनन्या ही करती दिखी हैं। अगर अनन्या बिड़ला आंत्रिप्रेन्योरशिप की मिसाल हैं, तो ईशा अंबानी कॉर्पोरेट पावर का चेहरा हैं। रिलायंस रिटेल, जियो, रिलायंस फाउंडेशन में उनकी अहम भूमिका है। येल और स्टैनफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने वाली ईशा आईपीएल की सबसे ताकतवर महिलाओं में गिनी जाती हैं। उनकी व्यक्तिगत संपत्ति करीब 800 करोड़ रुपये बताई जाती है, लेकिन असली ताकत उनके पीछे खड़े रिलायंस साम्राज्य की है। मुंबई इंडियंस की सफलता में यह आर्थिक मजबूती साफ झलकती है। काव्या मारन आईपीएल की सबसे ज्यादा दिखने वाली अरबपति बेटी हैं। ऑक्शन टेबल से लेकर मैच के दौरान उनके रिएक्शन तक, काव्या मारन हर जगह नजर आती हैं। सनराइजर्स हैदराबाद की पहचान में उनका चेहरा अहम बन चुका है। उनकी नेटवर्थ करीब 400 करोड़ रुपये मानी जाती है। बिजनेस के साथ–साथ उनका स्टाइल और लाइफस्टाइल भी अक्सर चर्चा में रहता है। सुहाना खान आईपीएल की दुनिया में एक अलग तरह की पहचान रखती हैं। वह कोलकाता नाइट राइडर्स फ्रेंचाइजी के नेक्स्ट जनरेशन फेस के रूप में देखी जाती हैं। हालांकि अभी वह एक्टिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट पर ज्यादा फोकस कर रही हैं, लेकिन उनकी मौजूदगी फ्रेंचाइजी के ग्लैमर को और बढ़ाती है। उनकी नेटवर्थ करीब 20 करोड़ रुपये है, लेकिन वह अभी अपने करियर की शुरुआती स्टेज में हैं और तेजी से आगे बढ़ रही हैं। जाह्नवी मेहता इस लिस्ट में सबसे कम चर्चित लेकिन बेहद दिलचस्प नाम हैं। वह आईपीएल ऑक्शन टेबल पर केकेआर का प्रतिनिधित्व करती नजर आती हैं और क्रिकेट की समझ रखने वाली नई पीढ़ी का चेहरा हैं। उनकी व्यक्तिगत संपत्ति सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई है, लेकिन उनका परिवार भारत के सबसे अमीर परिवारों में गिना जाता है। आईपीएल 2026 तक आते–आते यह साफ हो गया है कि अब फ्रेंचाइजी सिर्फ बिजनेसमैन नहीं चला रहे, बल्कि उनकी अगली पीढ़ी भी जिम्मेदारी संभाल रही है। यह नई पीढ़ी डिजिटल प्लेटफॉर्म समझती है, ब्रांड वैल्यू बढ़ाना जानती है और फैंस के साथ जुड़ने के नए तरीके अपनाती है।

मुंबई के छोरे को लखनऊ की लड़की से कैसे हुआ प्यार? सगाई के बाद खुला राज!

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ इन दिनों अपने खेल से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। आईपीएल 2026 से ठीक पहले उनकी सगाई की खबर ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी है। मुंबई की चर्चित कंटेंट क्रिएटर आकृति अग्रवाल के साथ उनका रिश्ता अब आधिकारिक रूप ले चुका है, लेकिन इस लव स्टोरी के पीछे की कहानी अब सामने आ रही है, जिसने फैंस की दिलचस्पी और बढ़ा दी है। पिछले कुछ महीनों से पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज थीं। दोनों कई बार एक दूसरे के साथ दिखे, कभी किसी कार्यक्रम में तो कभी घूमते, और साथ में कई फोटोज भी डालीं। पहले तो लोगों को लगा कि कोई दोस्त है, लेकिन दोनों ने इस सॉफ्ट लॉन्च के जरिए अपने रिश्ते के संकेत दिए। हालांकि, दोनों ने कभी खुलकर कुछ नहीं कहा। आखिरकार आठ मार्च 2026 को शॉ ने सगाई का एलान कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया। दोनों के रिश्ते की चर्चा तब शुरू हुई जब फैंस ने इंस्टाग्राम पर उनकी हल्की–फुल्की

बातचीत नोटिस की। आकृति ने शॉ की पोस्ट पर श्माय परफेक्ट व्यूश (मेरा बेहतरीन नजारा) कमेंट किया, जिस पर शॉ ने जवाब दिया आय यू (अरे तुम!)। यहीं से अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को मुंबई में कई बार साथ देखा गया।

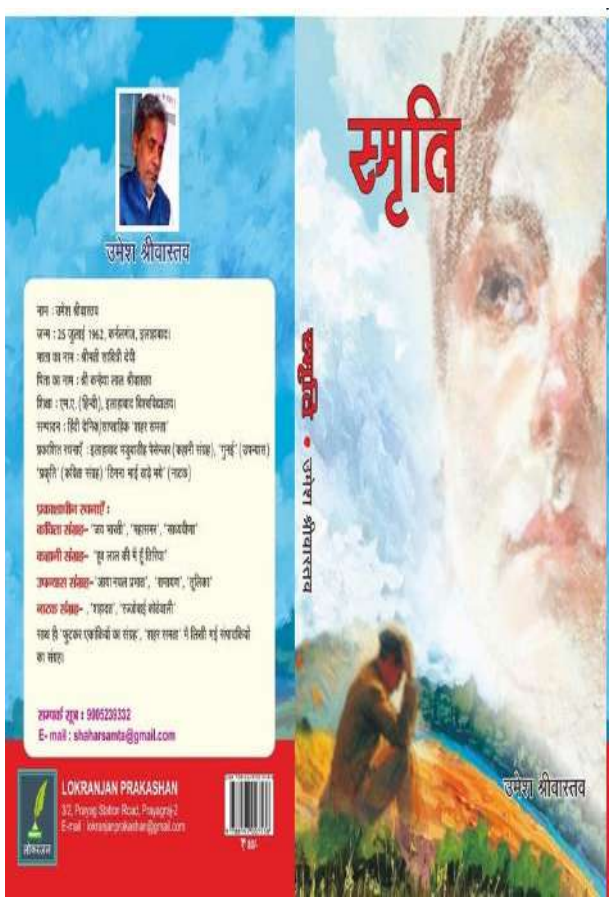

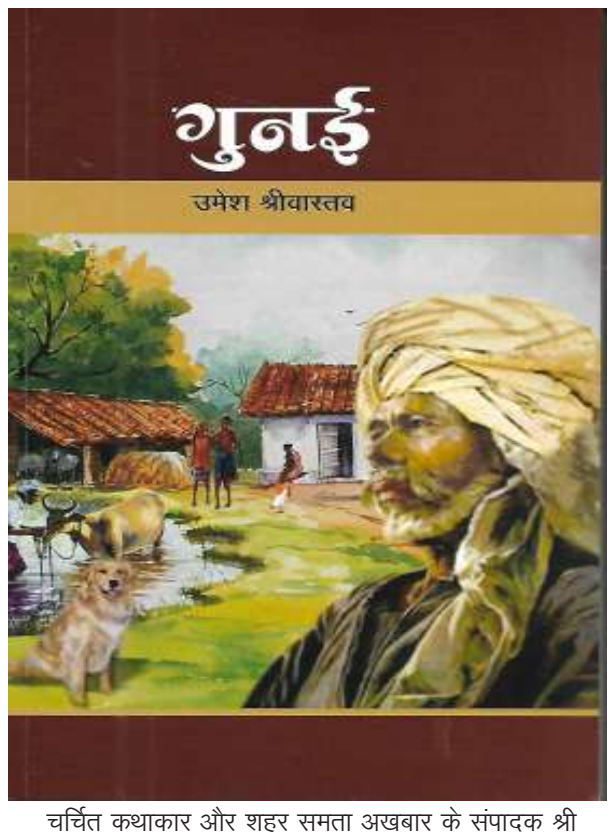

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

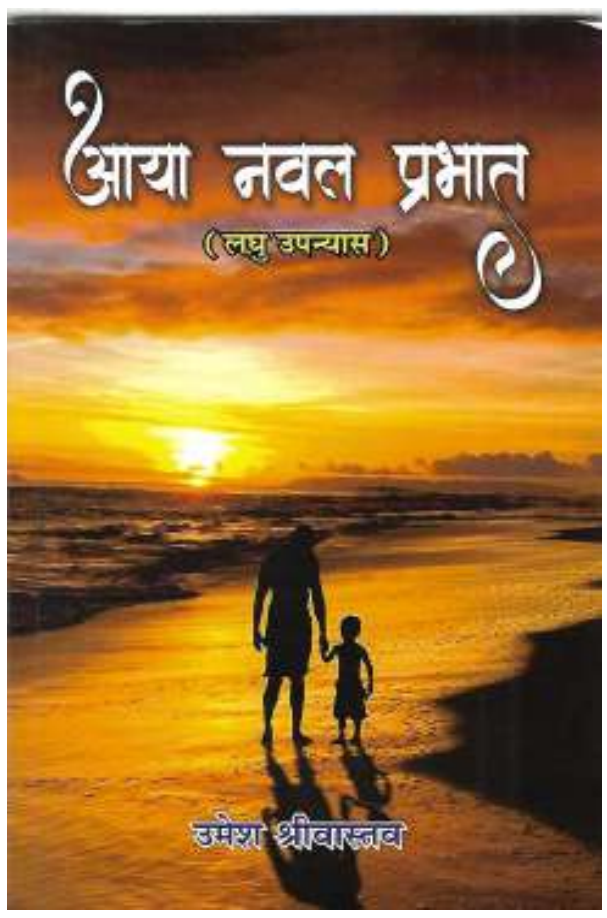

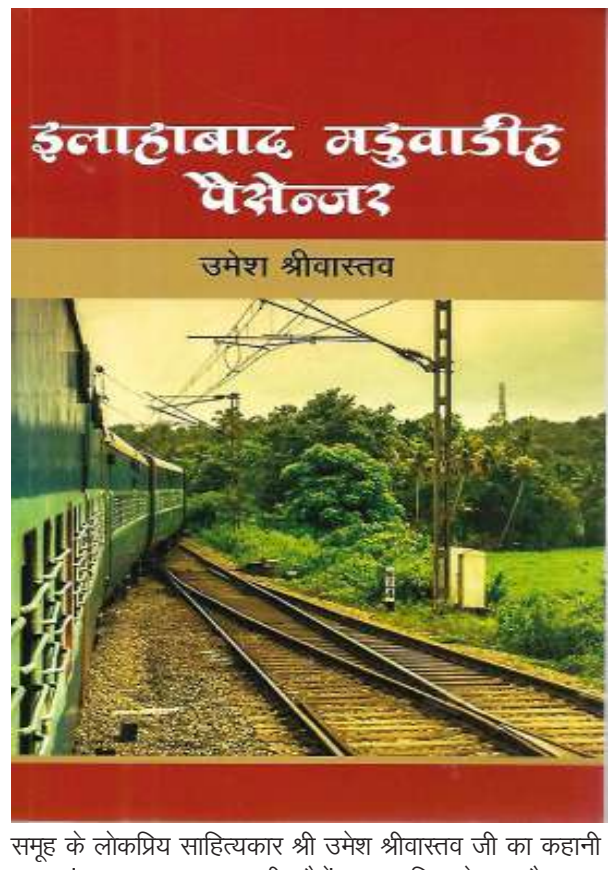

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

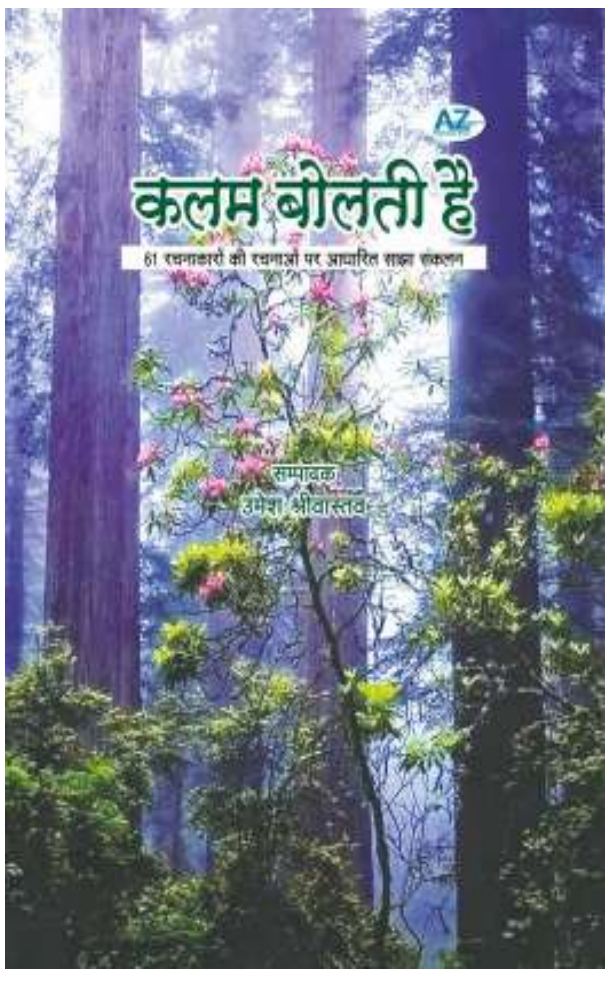

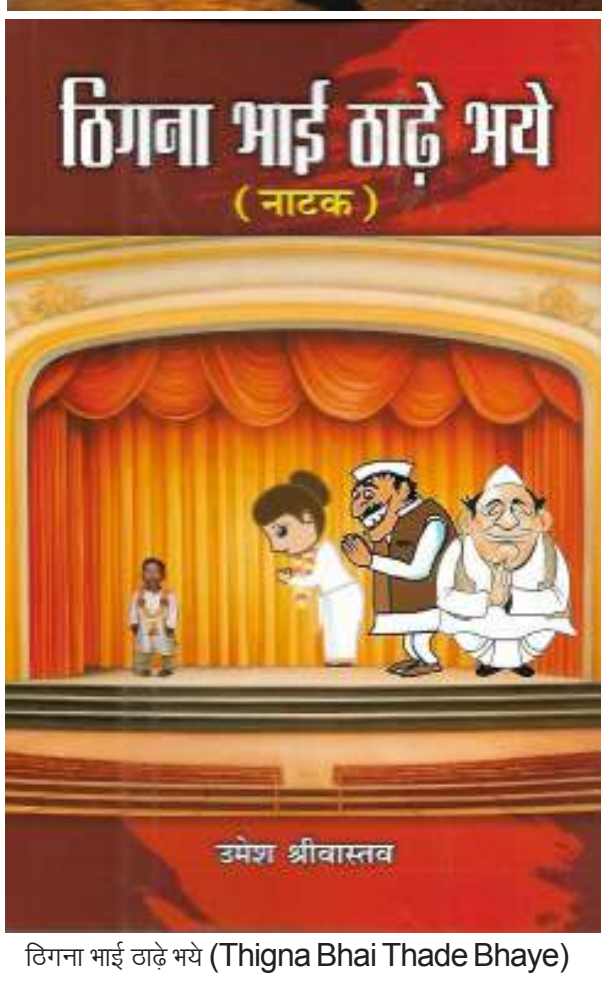

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

गिरफ्तारी के बाद निकोलस मादुरो की न्यूयॉर्क कोर्ट में दूसरी पेशी, अदालत के बाहर हुआ जोरदार प्रदर्शन

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस साल जनवरी की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला की राजधानी काराकस में सैन्य कार्रवाई कर अमेरिकी सैनिकों ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया था। मादुरो पर ड्रग तस्करी का आरोप है। इसके बाद मादुरो को अमेरिका लाया गया, जहां मादुरो के खिलाफ न्यूयॉर्क की अदालत में मुकदमा चल रहा है। गुरुवार को मादुरो को दूसरी बार न्यूयॉर्क कोर्ट में पेश किया गया। 5 जनवरी को अपनी पहली पेशी के दौरान, मादुरो ने अपने खिलाफ अमेरिका द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया था और खुद को बेकसूर बताया था। मादुरो ने कोर्ट को बताया कि उनका काराकस स्थित घर से अपहरण किया गया था और वे अभी भी वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने हुए हैं। गुरुवार को न्यूयॉर्क की अदालत में सुनवाई के दौरान मादुरो के वकील ने आरोपों को खारिज करने के लिए जज पर दबाव बनाना जारी रखा और तर्क दिया कि अमेरिका, मादुरो के कानूनी फीस के भुगतान के लिए वेनेजुएला सरकार के फंड को रोककर उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। हालांकि, जज ने मादुरो को अपने कानूनी बचाव के लिए वेनेजुएला के फंड के इस्तेमाल से रोकने के वॉशिंगटन के रुख पर सवाल उठाए, लेकिन केस को खारिज करने से इनकार कर दिया। 3 जनवरी को, अमेरिकी सैन्य बलों ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला किया और मादुरो और उनकी पत्नी, सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लेकर न्यूयॉर्क ले आए। ट्रंप के आदेश पर किए गए इस अमेरिकी हमले ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चौंका दिया। दुनिया भर में इसकी निंदा हुई और इसे लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं। काराकस में पकड़े जाने के बाद से मादुरो दंपत्ति न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में जेल में है। मादुरो की गिरफ्तारी का अमेरिका में विरोध हो रहा है। गुरुवार को भी प्रदर्शकारी अदालत के बाहर जमा हुए, जहां कड़ी सुरक्षा के बीच प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे और मादुरो को तुरंत रिहा करने की मांग कर रहे थे। एक प्रदर्शनकारी ने सिन्हुआ को बताया, श्हम आज यहां निकोलस मादुरो और सिलिया फ्लोरेस के साथ खड़े हैं। हमें लगता है ।

कि आरोप खारिज कर दिए जाने चाहिए और उन्हें रिहा कर दिया जाना चाहिए।श एक और प्रदर्शनकारी ने कहा कि अमेरिका को किसी दूसरे देश के चुने हुए नेता को कब्जे में लेने का कोई हक नहीं है। वेनेजुएला के लोग चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट हैं। एक प्रदर्शनकारी ने वेनेजुएला और ईरान का जिक्र करते हुए कहा, श्अमेरिका, दुनिया पर अपना दबदबा बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा देश उसके खिलाफ खड़े हो रहे हैं।

संक्षिप्त

अमेरिका और नाटो में बढ़ती कलह, ट्रंप की धमकी के चलते जी7 की बैठक में रूबियो की होगी अग्निपरीक्षा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो फ्रांस में आयोजित हो रहे जी–7 सम्मेलन में शिरकत करने के लिए अमेरिका से रवाना हो गए हैं। मार्को रूबियो को इस जी7 सम्मेलन में ईरान युद्ध के लिए जी7 देशों का समर्थन जुटाने की मुश्किल चुनौती है, खासकर तब जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नाटो पर तीखा हमला कर रहे हैं। वहीं पश्चिमी देशों में ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर शंका की स्थिति बनी हुई है और अधिकतर देश इस पर आपत्ति जता चुके हैं। नाटो के सदस्य देश ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और इटली, जी–7 का भी हिस्सा हैं, जबकि जापान इस सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं है। रूबियो जब फ्रांस के लिए के लिए वॉशिंगटन से रवाना हुए, ठीक उससे कुछ घंटे पहले ही ट्रंप ने ईरान युद्ध में अमेरिका और इस्राइल का साथ न देने के लिए नाटो देशों की आलोचना की। ट्रंप ने कहा, श्हम नाटो से बहुत निराश हैं, क्योंकि नाटो ने बिल्कुल कुछ नहीं किया।श ट्रंप ने ये भी कहा कि, श्हम नाटो की रक्षा के लिए हैं, लेकिन वे हमारी रक्षा के लिए नहीं हैं। नाटो और अमेरिका के बीच बीते कुछ समय से तनाव बना हुआ है। दरअसल ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप के रुख और रूस–यूक्रेन युद्ध में अमेरिका को लेकर भी यूरोप परेशान है। अब पश्चिम एशिया का मौजूदा संघर्ष इस तनाव को और बढ़ा रहा है। फ्रांस रवाना होने से पहले रूबियो ने कहा कि वह जी–7 देशों के विदेश मंत्रियों के साथ अच्छी बैठकों की उम्मीद कर रहे हैं। बाद में उन्होंने एक्स पर लिखा कि वह वैश्विक सुरक्षा चिंताओं, पश्चिम एशिया की स्थिति और रूस–यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करेंगे। इससे पहले नाटो महासचिव मार्क रुते ने कहा कि नाटो के सदस्य रक्षा खर्च बढ़ा रहे हैं और अब अमेरिका की सैन्य शक्ति पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की दिशा में बदलाव आ रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जा सकते। जी–7 बैठक की मेजबानी कर रहा फ्रांस, ईरान युद्ध को लेकर चिंतित है। फ्रांसीसी रक्षा प्रमुख जनरल फैबियन मैंडों ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई शुरू करने से पहले सहयोगियों को जानकारी नहीं दी, जिससे उनकी सुरक्षा और हित प्रभावित हुए।

अमेरिकी मुद्रा पर होंगे ट्रंप के हस्ताक्षर, पद पर रहते हुए ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की करेंसी डॉलर में बड़ा बदलाव होने वाला है। जल्द ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर अमेरिकी नोटों पर दिखाई देंगे। साल 1861 में डॉलर बिल की शुरुआत होने के बाद यह पहली बार है, जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति के हस्ताक्षर देश की मुद्रा पर होंगे। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लिया गया यह फैसला, इस साल अमेरिकी आजादी की 250वीं सालगिरह के जश्न के मौके पर लिया गया है। अमेरिकी ट्रेजरर ब्रैंडन बीच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप के हस्ताक्षर ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के हस्ताक्षर के साथ अमेरिकी मुद्रा पर नजर आएंगे। यह इतिहास में पहली बार हो रहा है। यह राष्ट्रपति के नेतृत्व और देश के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक है, जिसका देश पर लंबे समय तक प्रभाव रहेगा। बीच ने आगे कहा इतिहास में राष्ट्रपति की पहचान अमेरिका के श्स्वर्ण युगश के आर्थिक सुधारों के निर्माता के रूप में है। अमेरिकी मुद्रा पर उनके हस्ताक्षर होना न केवल सही है, बल्कि वह इसके हकदार भी हैं। इससे पहले इसी महीने एक संघीय कला आयोग ने 24 कैरेट सोने के एक खास सिक्के के डिजाइन को मंजूरी दी थी। इस सिक्के पर राष्ट्रपति ट्रंप की तस्वीर है और इसे भी आजादी की 250वीं सालगिरह के जश्न के हिस्से के रूप में तैयार किया गया है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में देश आर्थिक विकास, डॉलर के दबदबे और वित्तीय मजबूती के रास्ते पर है। उन्होंने कहा देश की ऐतिहासिक उपलब्धियों और राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप को सम्मान देने के लिए अमेरिकी डॉलर पर उनके नाम से बेहतर कोई और तरीका नहीं हो सकता। आजादी की 250वीं सालगिरह पर इस ऐतिहासिक मुद्रा को जारी करना बिल्कुल सही है।

चीन का बड़ा बयान: 'हमारे साझा हित मतभेदों से ज्यादा अहम, भारत के साथ संबंध सुधार–विकास के सही रास्ते पर

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन के संबंध अब सुधार और विकास के सही रास्ते पर हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देशों के बीच आपसी मतभेदों से ज्यादा उनके साझा हित महत्वपूर्ण हैं। वांग यी ने यह बात भारत के निवर्तमान भारतीय राजदूत प्रदीप रावत से विदाई मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने आगे कहा, दोनों देशों के नेताओं के मार्गदर्शन में रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। चीन भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। वांग यी के अनुसार, दोनों देशों को एक–दूसरे को खतरे के बजाय विकास के अवसर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें एक–दूसरे का प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि साझेदार बनना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि जब तक भारत और चीन के रिश्तों में नई ताजगी नहीं आएगी, तब तक दुनिया का आधुनिकीकरण पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने राजदूत प्रदीप रावत के काम और उनके योगदान की सराहना भी की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

नेपाल में नए युग की शुरुआत, बालेंद्र शाह ने पीएम पद की शपथ ली, हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुआ कार्यक्रम

काठमांडू , एजेंसी। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में आज से नए युग की शुरुआत हो गई है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह को आज नेपाल का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। जिसके बाद बालेंद्र शाह को पीएम पद की शपथ दिलाई गई। बालेंद्र शाह नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री बन गए हैं। नेपाली मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बालेंद्र शाह को पीएम नियुक्त किया। जिसके बाद बालेंद्र शाह ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के लिए 14 मंत्रियों के नाम फाइनल किए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुदन गुरुंग को देश का नया गृह मंत्री बनाया जा सकता है। जेन जी आंदोलन से चर्चा में आए गुरुंग, गोरखा–2 सीट से चुनाव जीतकर सदन पहुंचे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के पूर्व मेयर शाह बालेंद्र शाह को संविधान के आर्टिकल 76(1) के तहत इस पद पर नियुक्त किया। गुरुवार को आरएसपी ने शाह को अपने संसदीय दल का नेता चुना, जिससे उनके देश के 47वें प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। आरएसपी ने हाल के संसदीय चुनावों में लगभग दो–तिहाई बहुमत से बड़ी जीत हासिल की थी। बालेंद्र शाह ने शुक्रवार दोपहर 12:34 बजे राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। पद और गोपनीयता की यह शपथ हिंदू रीति–रिवाजों के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर सात शंखनादकों ने शंख ध्वनि के साथ मांगलिक शुरुआत की। परंपरा के अनुसार, शुभ कार्यों के आरंभ में शंखनाद को सफलता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। शाह ने पूर्वी नेपाल के झापा–5 में पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को 49,614 वोटों के बड़े अंतर से हराया, उन्हें 68,348 वोट मिले, जबकि ओली को 18,734 वोट मिले। यह 1991 के बाद से नेपाल के संसदीय चुनावों में किसी भी उम्मीदवार को मिले सबसे ज्यादा वोट हैं। शाह ने 2022 में राजनीति में कदम रखा, जब उन्होंने काठमांडू के मेयर का चुनाव लड़ा और एक निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीते। 27 अप्रैल, 1990 को काठमांडू में एक मधेसी परिवार में जन्मे शाह ने भारत में विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री करने से पहले काठमांडू में अपनी बैचलर डिग्री पूरी की। इंजीनियरिंग में उनके एकेडमिक बैकग्राउंड ने उन्हें इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी विकास और पब्लिक वर्क्स की प्रैक्टिकल समझ दी। इसी तकनीकी विशेषज्ञता ने काठमांडू महानगरपालिका के महापौर (मेयर) के रूप में उनकी कार्यशैली और गवर्नेंस को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नवनियुक्ति पीएम बालेंद्र शाह को बधाई दी है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, श्नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर श्री बालेन्द्र शाह को हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में व्यक्त किए गए विश्वास को दर्शाती है। मैं भारत–नेपाल की मित्रता और सहयोग को, दोनों देशों की जनता के आपसी फायदे के लिए, और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

ईरान से बातचीत के बीच रिपोर्ट का बड़ा दावा, पश्चिम एशिया में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेज सकता है US

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एक रिपोर्ट्स में दावा किया गया गया है कि अमेरिका पश्चिम एशिया में 10,000 अतिरिक्त जमीनी सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के साथ बातचीत चलने के बावजूद अमेरिका यह बड़ा कदम उठा सकता है। यरूशलेम पोस्ट ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में युद्ध विभाग के अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया गया, इस नई तैनाती में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हो सकती हैं। अमेरिका की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन पहले से ही इस क्षेत्र में मौजूद है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस डिवीजन की तैनाती का सीधा उद्देश्य ईरान के रणनीतिक हितों, जैसे कि खर्ग द्वीप, को निशाना बनाना है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि अतिरिक्त सेना को कहां भेजा जाएगा या तैनात किया जाएगा। व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने इस मामले पर कहा कि सैनिकों की तैनाती से जुड़ी कोई भी आधिकारिक घोषणा युद्ध विभाग ही करेगा। उन्होंने साफ किया कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास सभी सैन्य विकल्प उपलब्ध रहते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ब्म्छज्ब्ड) ने इस रिपोर्ट पर कोई भी टिप्पणी करने से मना कर दिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं जब अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच चल रहा यह संघर्ष अब चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों में थोड़ी राहत देने के संकेत दिए थे। उन्होंने बताया कि ईरान ने अपने ऊर्जा ठिकानों पर होने वाले अमेरिकी हमलों को सात दिनों के लिए रोकने की मांग की थी। ट्रंप ने इस समय सीमा को बढ़ाकर 10 दिन कर दिया है, जो 6 अप्रैल तक रहेगी। इसके बावजूद अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त सेना के हमले लगातार जारी हैं। इस बीच, जवाब में ईरान की श्इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्सश (आईआरजीसी) ने शुक्रवार तड़के श्ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4श की 83वीं लहर शुरू करने का एलान किया। ईरान ने आधुनिक मिसाइलों और ड्रोनों की मदद से क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और इस्राइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। क्षेत्र में बिगड़ते सुरक्षा हालातों के बीच ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को उन मीडिया रिपोर्टों की जानकारी दी है, जिनमें ईरानी नेताओं की हत्या की साजिश का जिक्र है। इन रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका और इस्राइल ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ और विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची की हत्या की योजना बना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस खतरे से अवगत कराया।

मेक्सिको की खाड़ी में तेल का रिसाव: 600 किलोमीटर तक फैला प्रदूषण, सात प्राकृतिक रिजर्व प्रभावित

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की खाड़ी में मार्च की शुरुआत में तेल का भारी रिसाव हुआ। अब इसका प्रदूषण 600 किलोमीटर से ज्यादा बड़े इलाके में फैल गया है। मेक्सिकन अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव एक ऐसे जहाज से शुरू हुआ जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसमें दो प्राकृतिक स्रोत भी शामिल हैं। इस घटना ने सात प्राकृतिक रिजर्व क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है। नौसेना सचिव एडमिरल रायमुंडो मोरालेस ने मीडिया वार्ता में बताया कि सैटेलाइट तस्वीरों और जांच से रिसाव के तीन मुख्य ठिकानों का पता चला है। पहला स्रोत वेराक्रूज राज्य के कोत्जाकोआल्कोस बंदरगाह के पास खड़ा एक जहाज है। इस जहाज की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है क्योंकि उस समय वहां 13 जहाज मौजूद थे। दूसरा स्रोत इसी बंदरगाह से 8 किलोमीटर दूर एक ऐसी जगह है जहाँ से कच्चा तेल प्राकृतिक रूप से निकलता है। तीसरा स्रोत कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित एक और प्राकृतिक रिसाव वाली जगह है। मोरालेस ने स्वीकार किया कि तेल का रिसाव अब भी जारी है। कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित कंटारेल से सबसे ज्यादा रिसाव हो रहा है। यहां से प्राकृतिक रूप से तेल निकलता रहता है। हालांकि, पिछले महीने में प्रदूषकों का बहाव काफी ज्यादा रहा है। इस रिसाव ने वेराक्रूज और टबैस्को राज्यों के 200 किलोमीटर लंबे तट को प्रभावित किया है। अब तक 430 टन हाइड्रोकार्बन इकट्ठा किया जा चुका है। मामले पर पर्यावरण सचिव एलिसिया बारसेना ने बताया कि इस रिसाव से वेराक्रूज और ताबास्को राज्यों के सात संरक्षित प्राकृतिक रिजर्व प्रभावित हुए हैं, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें पर्यावरण को किसी भी तरह का गंभीर नुकसान होता हुआ नहीं दिखा है। दूसरी तरफ, समुद्री संरक्षण के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था ओशियाना ने अलग जानकारी दी है। संस्था ने बताया कि इस रिसाव से समुद्री कछुए, एक मैनेट (समुद्री गाय) और कई मछलियां मारी गई हैं। साथ ही 17 मूंगा चट्टानों (रीफ) को भी नुकसान पहुंचा है।

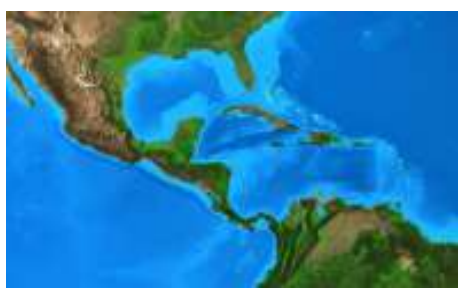

पश्चिम एशिया: ईरान ने शुरू किया 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' का 83वां चरण, इस्राइल के ठिकानों पर मिसाइलों की बारिश

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया की धरती एक बार फिर दहक उठी है। ईरान ने शुक्रवार तड़के भीषण हमले कर यह साफ कर दिया है कि वह पीछे हटने के मूड में नहीं है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (प्ळब) ने श्ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4श के तहत 83वां चरण शुरू कर दिया है। इस बार ईरानी सेना ने न केवल इस्राइल को चोट दी है, बल्कि खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने ईरानी मीडिया के हवाले से जानकारी दी है कि आईआरजीसी ने आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन्स के जरिए इस्राइल के अशदोद में तेल डिपो को निशाना बनाया है। हमले के बाद वहां आग लगने की बात कही जा रही है। इसके अलावा, इस्राइल के सैन्य ठिकानों पर भी सटीक हमले किए गए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, ईरान ने सीधे अमेरिकी अड्डों को अपना निशाना बनाया है। कुवैत के अली अल–सलेम एयरबेस और बहरीन के शेख ईसा बेस पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। बताया जा रहा है कि बहरीन में पैट्रियट मिसाइल सिस्टम के रिपेयर हैंगर और जेट फ्यूल टैंकों को भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत और यूएई के अल–धाफरा बेस पर भी ईरानी ड्रोन्स ने सैन्य साजो–सामान को निशाना बनाया है। पिछले दिनों नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल अलीरेजा तंगसिरी की मौत के बाद ईरान भड़क उठा है। इस्राइली हमले में तंगसिरी की मौत हुई थी। बताया जा रहा है कि ईरान इसी का प्रतिशोध ले रहा है। 28 फरवरी 2026 को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद शुरू हुआ यह युद्ध अब वैश्विक संकट बन चुका है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग बंद कर दिया है। इसका नतीजा यह हुआ है कि पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई ठप होने का खतरा पैदा हो गया है। हालांकि,अमेरिका ने 6 अप्रैल तक तेल डिपो पर हमले न करने की बात कही है, लेकिन जमीन पर स्थिति इसके उलट दिख रही है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों की माने तो अगर यह सिलसिला नहीं रुका, तो आने वाले दिनों में तेल गैस की भारी किल्लत हो सकती है।

'ईरान ने सात दिन मांगे, मैंने 10 दिए', ट्रंप ने तेहरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले की नई डेडलाइ, तय की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को बताया कि ईरान ने उनके ऊर्जा ठिकानों पर हमले न करने के लिए सात दिन का समय मांगा था, लेकिन हमने 10 दिनों का समय दिया। जिसकी डेडलाइन 6 अप्रैल है। मीडिया के साथ बातचीत में ट्रंप ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच दोनों पक्षों की राजनयिक बातचीत में ईरान ने उनकी सरकार से संपर्क कर अधिक समय देने का अनुरोध किया था। ट्रंप ने कहा, श्उन्होंने मेरे लोगों के माध्यम में मुझसे अपील की थी कि क्या हमें और समय मिल सकता है? अगर वे अपना काम नहीं करते हैं तो मैं उनके बिजली संयंत्रों को नष्ट कर दूंगा।श ट्रंप ने कहा, श्उन्होंने सात दिन मांगे थे और मैंने कहा, मैं आपको 10 दिन दूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे जहाज दिए थे।श ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत पर कहा कि ईरान के फर्जी समाचार मीडिया और अन्य लोगों द्वारा गलत बयानबाजी के बावजूद ईरान के साथ बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ लड़ाई जीत ली है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान की नौसैनिक और मिसाइल क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य शक्ति तबाह हो चुकी है और ईरान की नौसेना और मिसाइल क्षमता में नाटकीय रूप से कमी आई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।